RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 237 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 18 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

बुलंदशहर में बड़ा हादसा : बस ने पिकअप को मारी टक्कर

सड़क हादसे में 10 मजदूरों की मौत, दो दर्जन घायल

मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। रक्षाबंधन मनाने घर जा रहे मजदूरों की पिकअप को बस ने टक्कर मार दी। हादसे में दस लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई बच्चों समेत 25 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद की एक ब्रेड कंपनी में मजदूरी करने वाले करीब 35 से अधिक मजदूर पिकअप में गाजियाबाद से अलीगढ़ जनपद की तहसील अतरौली के गांव रायपुर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए जा रहे थे। जैसे ही सलेमपुर थाने के पास पहुंचे तो यहां एक डग्गामार बस ने पिकअप को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कई घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 25 से ज्यादा घायलों का जिला अस्पताल और जेपी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दस लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मरने वालों में एक ही परिवार के सात लोग शामिल हैं। दो लोग संभल के बताए जा रहे हैं। जबकि एक की शिनाख्त नहीं हुई है।

दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है साथ ही अधिकारियों को पीड़ितों को जल्द इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

परिवहन विभाग के अधियान से मची अफरातफरी

ओवर लोडेड डंपर समेत 12 ट्रक वाहन जब्त, तीन बसों पर कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। शासन द्वारा ओवर लोड संचालित वाहनो और खनन सामाग्री के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश तथा जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में आज जनपद गौतमबुद्धनगर में परिवहन और खनन विभाग की संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। अभियान में 10 ओवर लोड ट्रक के और 1 बिना फिटनेस 1 कर बकाया ट्रक व और 3 बस के विरुद्ध कार्रवाई की गई। यह कार्यवाही आज सुबह 4 बजे से 9 बजे तक डीएनडी, कालिंदी कुंज पर की गई और सभी 12 ट्रक को थाना सेक्टर 126 कालिंदी कुंज में निरुद्ध किया गया। साथ ही 3 बसों को मोरना स्नद्गश्चश में बंद किया गया।

कार्यवाही में ओवर लोड माल के अतिरिक्त कई वाहनों में पंजीयन चिन्ह अस्पष्ट होने और निर्माण सामाग्री त्रिपाल से ढका न होने, रिट्री रिफ्लेकटर न लगा होने के, फिटनेस प्रमाणपत्र न होने के व कर न जमा होने कारण प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। अभियान में ए आर टीओ प्रवर्तन डॉ उदित नारायण पाण्डेय ; विपिन चौधरी,जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी सहित पुलिस और प्रवर्तन कर्मी शामिल रहे।

परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 26 हजार रूपये प्रशमनशुल्क और कर आरोपित करते हुए सभी चालकों के ड्राइविंग लाइसेन्स निलंबन और परमिट निलंबन की संस्तुति की गई। वाहनों के अनधिकृत संचालन के विरुद्ध यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

गाड़ी टच होने पर चार युवकों ने कार ड्राइवर को बीच सड़क पर पीटा

तीन आरोपी गिरफ्तार, गाड़ी सीज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में रोडरेज का मामला का मामला सामने आया है। शहर के सबसे पॉश मार्केट में थाना बीटा 2 क्षेत्र के अल्फा 2 मार्केट में गाड़ी टकराने के बाद चार युवकों ने दूसरे गाड़ी के ड्राइवर को खुलेआम सड़क पर जमकर पिटाई की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, पुलिस ने दोनो पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, थाना बीटा-2 क्षेत्र के तहत अल्फा-2 मार्केट में शनिवार की शाम गाड़ी टच होने के कारण चार लड़कों ने दूसरी गाड़ी के ड्राइवर को लात-घूसों से पिटाई की। इस दौरान मौके पर भीड़ जमा रही और वीडियो बनाती रही। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत दोनो पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही गाड़ी को भी सीज कर दिया।

बीटा-2 थाना प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

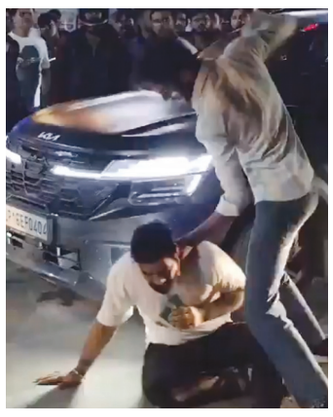

गया है। पुलिस के एक्शन के बाद मार्केट में शांति बनी हुई है। ऐसे किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा, जो माहौल को खराब करने का प्रयास करेगा। लगातार अल्फा-2 समेत सभी बाजारों में पुलिस टीम पेट्रोलिंग करती है।

सिपाही भर्ती परीक्षा में डीजी भर्ती बोर्ड ने जारी किया निर्देश

अभ्यर्थियों को मिलेगा पांच मिनट का अतिरिक्त समय

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड ने सिपाही भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को पांच मिनट का अतिरिक्त समय प्रदान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष/डीजी राजीव कृष्ण का कहना है कि अभ्यर्थियों ने परीक्षा के समय में अतिरिक्त पांच मिनट प्रदान किए जाने की मांग की थी। जिस पर बोर्ड ने अतिरिक्त पांच मिनट प्रदान किए जाने का निर्णय किया है।

केंद्र व्यवस्थापकों व अन्य संबंधित अधिकारियों को अतिरिक्त समय को लेकर दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। उप्र पुलिस ने अपने एक्स अकाउंट पर भी यह जानकारी साझा की है। एक अधिकारी का कहना है कि कई बार अभ्यर्थियों की चेकिंग व सुरक्षा से जुड़े अन्य कारणों से कुछ अभ्यर्थियों को एक-दो मिनट की देर भी हो जाती है। इसके चलते ही अभ्यर्थियों ने अतिरिक्त समय प्रदान किए जाने की मांग की थी।

सिपाही भर्ती परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को दो-दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे के मध्य होगी।

भर्ती बोर्ड की वेबसाइट पर अभ्यर्थी अपने परीक्षा केंद्र के जिले की जानकारी कर सकते हैं। यह सुविधा शुक्रवार शाम पांच बजे शुरू की गई थी। भर्ती बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार अब तक 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने जिला सूचना पर्ची डाउनलोड की है।

एलजी ने तीन पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस में रिश्वत लेते पकड़े जाने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है जब थानों से लेकर यूनिटों में हर तरफ पुलिसकर्मी रिश्वत लेते कहीं न कहीं पकड़े जा रहे हैं, लेकिन इस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। तीन चार पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। ताजा मामला पूर्वी दिल्ली में सामने आया है।

कल्याणपुरी ट्रैफिक सर्किल में तैनात तीन पुलिसकर्मियों के रिश्वत की रकम का बंटवारा करते एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

किसान दिवस का आयोजन 21 को

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर ने जनपद के समस्त कृषकों को जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए माह के तृतीय बुधवार 21 अगस्त को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में प्रातः 11.00 बजे विकास भवन स्थित सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बताया कि किसान दिवस में निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर स्वयं उपस्थित होकर किसानों की समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करें।

रोडवेज बस ने स्कूटी को रौंदा, चार घायल

एक की हालत गंभीर, बस चालक फरार

नोएडा (चेतना मंच)। आज सुबह थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर- 62 में यूपी रोडवेज की बस ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें एक की हालत स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह हादसा आज सुबह करीब 5.45 बजे हुआ। एक स्कूटी पर जा रहे युवकों को रोडवेज की बस में पीछे से टक्कर मार दी और स्कूटी को कुछ दूर तक खींचती ले गई। लोगों ने बस को रोक कर घायलों को निकाला और थ्री व्हीलर में बिठाकर निजी अस्पताल के लिए

रवाना कर दिया। इस बीच बस का ड्राइवर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-58 पुलिस ने सड़क हादसे में घायल कृष्ण पुत्र सुरेंद्र निवासी महाराणा विहार कमला हॉल थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक जनपद गाजियाबाद, नवीन पुत्र प्रीतम निवासी बिहारीपुर थाना विजयनगर, सनीव निवासी बिहारीपुरा, दीपक निवासी बिहारीपुरा को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों में दीपक की हालत गंभीर है। घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और स्कूटी और बस को मौके से हटवा कर यातायात को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया है। पुलिस बस ड्राइवर की तलाश कर रही है।

कान का पर्दा फाड़ने का लगाया आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-11 निवासी एक व्यक्ति ने एक क्लीनिक के डाक्टरों पर कान का पर्दा फाड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने सेक्टर-20 थाने में इसकी लिखित शिकायत भी की है।

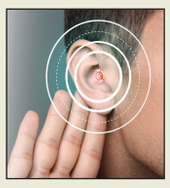

सेक्टर-11 निवासी सुनील शर्मा ने बताया कि 7 अगस्त को वे अपने पिता रूपचंद शर्मा को सेक्टर-19 स्थित हिमरिंग प्वाइंट क्लीनिक में बायं कान का हियरिंग ऐड मरम्मत के लिए दिया। जब वे हियरिंग ऐड लेने पहुंचे तो क्लीनिक के कर्मचारियों ने दायं कान में हियरिंग ऐड लगवाने के लिए जबरन उनकी मशीनों से जांच की। इस दौरान उनका दायं कान का पर्दा फट गया तथा सुनाई देना बंद हो गया। सुनील ने 112 हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके मामले की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने सेक्टर-20 थाने में लिखित शिकायत देकर क्लीनिक के कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांगी की।

अधिवक्ता चेंबर आबंटन ड्रॉ पर लगा सवालिया निशान

हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन, जिला जज ने मांगा स्पष्टीकरण

नोएडा (चेतना मंच)। अधिवक्ताओं के लिए प्रस्तावित चैंबरों के आवंटन हेतु गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय बार एसोसिएशन द्वारा शुक्रवार को आनन-फानन में किया गया ड्रॉ सवालों के घेरे में आ गया है। स्वयं जिला जज ने बार एसोसिएशन को पत्र लिखकर उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश का उल्लंघन करने पर स्पष्टीकरण तलब किया है।

उल्लेखनीय है कि जिला न्यायालय बार एसोसिएशन द्वारा कल शुक्रवार को बिना पात्रता सूची प्रकाशित किए अधिवक्ताओं के लिए बनाए जाने वाले चैंबरों के लिए ड्रॉ का आयोजन किया था। इसके लिए जिला जज समेत कई न्यायिक अधिकारियों और जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा को भी आमंत्रित किया गया था। बताया गया है कि जिला जज

अवनीश सक्सेना बार भवन में ड्रॉ प्रारंभ कराकर चले गए थे।कल से ही इस ड्रॉ को लेकर अधिकांश अधिवक्ता विरोध प्रकट कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार इस ड्रॉ में फर्जीवाड़ा किया गया है। ऐसे अधिवक्ताओं को भी ड्रा में शामिल किया गया है जिनके पास पहले से ही चैंबर हैं। चैंबर के लिए प्रत्येक अधिवक्ता से अवैध रूप से दो लाख रुपए लेने की चर्चा भी फिजाओं में गूंज रही है। जिला जज से कराए गए ड्रॉ में दो अधिवक्ताओं को एक चैंबर दिये जाने का प्रस्ताव है जबकि उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार कम से कम चार अधिवक्ताओं को एक चैंबर दिया जाएगा। यह प्रकरण संज्ञान में आते ही जिला जज ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। उधर आज अधिवक्ताओं ने इस मामले को लेकर न केवल हड़ताल रखी बल्कि न्यायालय परिसर में धरना प्रदर्शन भी किया।

आर्थिक डेस्टिनेशन

हिमाचल अपने होने की बुलंदी में, नए युग से आंखें चार कर रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में वर्तमान सरकार का हर पांव आर्थिक डेस्टिनेशन खोज रहा है। इरादे अपने नैन-नक्श नहीं बताते, मगर ताकत का इजहार जरूर करते हैं। हम सुखविंदर सिंह सरकार को राजनीतिक पैमानों में देखें या प्रदेश के आर्थिक हालात में महसूस करें, लेकिन सच यह है कि प्रदेश को तकदीर सत्ता से नहीं मिलती-सरकार के इरादों से हासिल होती है। कोशिश के स्तंभ खड़े करते मुख्यमंत्री ने कम से कम हिमाचल के प्रगतिशील आईने तो देख लिए हैं। सरकार पर्यटन उद्योग पर पूर्ण भरोसा कर रही है। इससे पहले जयराम सरकार ने निजी निवेश, तो प्रेम कुमार धूमल ने हाइड्रो पावर में जोर आजमाया। शिमला में विभागीय समीक्षा बैठकों के सिलसिले में मुख्यमंत्री सुक्खू ने पर्यटन और ग्रामीण आर्थिकी के द्वार खोले हैं। उनके प्रयास पर्यटन की खूबियों में इंगित हैं, तथा वह उन क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को आजमाना चाहते हैं, जहां जीएसटी का सीधा लाभ राज्य की माली हालत को सुदृढ़ करे। सरकार का खाका बताता है कि इस बार पर्यटन की बुलंदी के लिए कांगड़ा को 'टूरिज्म कैपिटल' बनाया जाएगा। अगर यह राजनीतिक नारा या प्राथमिकता न बने, तो पौंग झील, ब्यास नदी, चाय बागान व धौलाधार पर आकर पर्यटन का आसमान स्पष्ट दिखाई देगा। इससे पूर्व शांता कुमार जब केंद्रीय मंत्री थे तो उन्होंने धौलाधार पर्यटन परियोजना के तहत करीब पांच सौ करोड़ की रूपरेखा बनाई थी। प्रो. चंद्र कुमार जब सांसद थे, तो पौंग गलियारे की पर्यटक योजना के लिए 1800 करोड़ के खर्च का अनुमान लगाया गया था। हकीकत इससे भिन्न रही, क्योंकि पर्यटन की क्षमता का मूल्यांकन नहीं हुआ और कई परियोजनाओं में पैसा जाया हो गया। कांगड़ा के नूरपुर व पौंग बांध के छोर पर बने तीन पर्यटन यूनिट जीरो साबित हो गए। बैजनाथ, कोटला, वार मेमोरियल व भागसूनाग के कैफे बिना किसी कारण बेच दिए गए। आज तक हम पौंग डैम में आते प्रवासी पक्षियों की शुमारी में पर्यटन नहीं खोज पाए। प्राचीन धरोहरों से समृद्ध हरिपुर-गुलेर, पुराना कांगड़ा, चैतड़ू, नादौन, सुजानपुर टीहरा व मसरूर को पर्यटन की मुख्यधारा से नहीं जोड़ पाए। कांगड़ा के बजाय धौलाधार तथा ब्यास नदी पर्यटक कैपिटल कहें तो संदर्भ व्यापक होते हैं, तब होली-उत्तराला, चुबाड़ी-चंबा तथा हिमानी चामुंडा-होली सुरंग परियोजनाओं की परिकल्पना में कितनी ही नई पर्यटन राजधानियां जन्म लेंगी। एक छोटे से प्रयास से शुरू हुआ बीड़-बिलिंग का सफर आज अगर दुनिया के नक्शे पर पैराग्लाइडिंग की सर्वश्रेष्ठ साइट बन गया, तो ऐसे कई दरवाजे खुल सकते हैं। गरली-परागपुर को अगर हिमाचल की प्रथम फिल्म सिटी बना दें, तो ये धरोहर गांव कांगड़ा के अलावा चंबा, मंडी, ऊना, हमीरपुर व बिलासपुर जिलों में फिल्म शूटिंग के जरिए सिने पर्यटन का नया नक्शा बना सकते हैं। पर्यटन को भीड़ बनने से नहीं बचाया तो हमारे ख्वाब भटक जाएंगे। मसलन बरसात में पर्यटन नहीं पर्यटन के मेंढक टर्राते हैं। आजकल हिमाचल की सडकों पर उतरे दोपहिया वाहनों में कदापि पर्यटन अपना भ्रमण नहीं कर रहा, बल्कि इस सैर सपाटे ने हिमाचल का हुलिया और पुलिस व्यवस्था की गरिमा बिगाड़ दी है। मंडी में इसी तरह की हुल्लड़बाजी में अगर तथाकथित पर्यटक बंदूक तान रहे हैं, तो पांच करोड़ सैलानियों की आमद से पहले कम से कम पांच लाख की संख्या में पर्यटक पुलिस के जवान तैनात करने पड़ेंगे। हिमाचल को त्वरित प्रभाव से तमाम पर्यटक स्थलों पर ग्रीन टैक्स लगा देना चाहिए। कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने के लिए तमाम धार्मिक स्थलों में क्षमता विस्तार के अलावा प्रमुख स्थलों पर नई इमारतों के बजाय खुले स्थल, पार्क, मनोरंजन पार्क, महापार्किंग स्थल, नए बाजार, नए बस स्टैंड, साइट सीईंग पैकेज तथा तिब्बती एवं बौद्ध सर्किट का विकास करना होगा। धर्मशाला और मनाली के बीच जोगिंद्रनगर के आसपास काल चक्र सम्मेलन स्थल विकसित करें, तो महामहिम दलाईलामा के प्रवचनों से जुड़ा पर्यटन इसे वैश्विक आधार देगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री महादेवजी ने इसको रचकर अपने मन में रखा था और सुअवसर पाकर पार्वतीजी से कहा। इसी से शिवजी ने इसको अपने हृदय में देखकर और प्रसन्न होकर इसका सुंदर रामचरित मानस नाम रखा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कहउँ कथा सोइ सुखद सुहाई। सादर सुनहु सुजन मन लाई॥

मैं उसी सुख देने वाली सुहावनी रामकथा को कहता हूँ, हे सज्जनों! आदरपूर्वक मन लगाकर इसे सुनिए॥

दो0-जस मानस जेहि बिधि भयउ जग प्रचार जेहि हेतु।
अब सोइ कहउँ प्रसंग सब सुमिरि उमा बृषकेतु॥

यह रामचरित मानस जैसा है, जिस प्रकार बना है और जिस हेतु से जगत में इसका प्रचार हुआ, अब वही सब कथा मैं श्री उमा-महेश्वर का स्मरण करके कहता हूँ॥

संभु प्रसाद सुमति हियँ हुलसी। रामचरितमानस कबि तुलसी॥
करइ मनोहर मति अनुहारी। सुजन सुचित सुनि लेहु सुधारी॥

श्री शिवजी की कृपा से उसके हृदय में सुंदर बुद्धि का विकास हुआ, जिससे यह तुलसीदास श्री रामचरित मानस का कवि हुआ। अपनी बुद्धि के अनुसार तो वह इसे मनोहर ही बनाता है, किन्तु फिर भी हे सज्जनो! सुंदर चित्त से सुनकर इसे आप सुधार लीजिए॥

(क्रमशः...)

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज 'स्व' के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे 'भारत के हित सर्वोपरि हैं' की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आश्य यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो।

प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अतः तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावाले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं।

भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंततः भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाईं थी।

प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था।

आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में 'वन्दे मातरम' कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था। उक्त कई कारणों के चलते भारत को विभाजन की विभीषिका को झेलना पड़ा था और करोड़ों नागरिक इससे बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए थे।

वैसे तो भारत को पूर्व में भी खंडित किया जाता रहा है परंतु वर्ष 1947 में हुआ विभाजन सबसे अधिक वीभत्स रहा है। वर्ष 1937 में म्यांमार भारत से अलग हुआ था, वर्ष 1914 में तिब्बत को भारत से अलग कर दिया गया था, वर्ष 1906 में भूटान एवं वर्ष 1904 में नेपाल को भारत से अलग कर दो नए देश बना दिये गए थे एवं वर्ष 1876 में अफगानिस्तान ने नए देश के रूप में जन्म लिया था। यह सभी विभाजन भारत को पावन भूमि को विखंडित करते हुए सम्पन्न हुए थे। यह सिलसिला वर्ष 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात भी रुका नहीं एवं वर्ष 1948 में भारत के भूभाग को विखंडित कर श्रीलंका के रूप में नए देश का जन्म हुआ। वर्ष 1948 में ही पाकिस्तान के कुछ कबीलों ने भारत के कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर कश्मीर के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसे आज 'पाक आकुपाईड कश्मीर' कहा जाता है। वर्ष 1962 में आक्साई चिन भी भारत से विखंडित हो गया था।

उक्त विखंडित हुए भूभाग से भारत का नाता आज भी बना हुआ है। जैसे, अफगानिस्तान में बामियान बुद्ध की मूर्तियां स्थापित रही हैं, जिन्हें बाद के खंडकाल में तालिबान ने खंडित कर दिया है। महाभारत काल में गांधारी आज के अफगानिस्तान राज्य की निवासी रही है। अफगानिस्तान शिव उपासना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसी प्रकार पाकिस्तान में तो तक्षशिला विश्वविद्यालय रहा है, जिसमें विश्व के अन्य देशों से विद्यार्थी अधय्यन के लिए आते थे। हिंगलाज माता का मंदिर है, भगवान झूलेलाल का अवतरण इस धरा पर हुआ था, साधु बेला, संत कंवरराम, ऋषि पिंगल, ऋषि पाणिनि भी इसी धरा पर रहे हैं। भगत सिंह, लाला लाजपत राय एवं आचार्य कृपलानी जैसे देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया था। बंगला देश में भी आज ढाकेश्वरी मंदिर स्थित है जिसके नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी को ढाका कहा जाता है। जगदीश चंद्र बोस एवं विपिन चंद्र पाल जैसे महान देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया है। नेपाल तो अभी हाल ही के समय तक हिंदू राष्ट्र ही रहा है एवं यहां पर कैलाश मानसरोवर, पशुपति नाथ मंदिर, जनकपुर जहां माता सीता का जन्म हुआ था एवं विश्व प्रसिद्ध लुम्बिनी, आदि नेपाल में ही स्थित हैं। इस दृष्टि से यह ध्यान में आता है कि भारत को एक बार पुनः अखंड क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए क्योंकि भारत से अलग हुए इन सभी देशों की सांस्कृतिक विरासत तो एक ही दिखाई देती हैं।

महर्षि अरविंद तो कहते ही थे कि भारत अखंड होगा क्योंकि यह ईश्वर की इच्छा है। स्वामी विवेकानंद जी को भरोसा था कि भारत एक सनातन राष्ट्र के रूप में अखंड होगा ही। आज हम सभी भारतवासियों को यह विश्वास अपने मन में जगाना होगा कि भारत एक अखंड राष्ट्र होगा ही इसके लिए मेहनत की पराकाष्ठा जरूर करनी होगी। हिंदू एक संस्कृति है न कि पूजा पद्धति, इस प्रकार का व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। अखंड भारत में समस्त मत पंथों को मानने वाले नागरिकों को अपनी पूजा पद्धति के लिए छूट होगी ही। इस संदर्भ में विघटनकारी सोच की राजनैतिक पराजय अति आवश्यक है। भविष्य में केवल भारत ही अखंड होगा, ऐसा भी नहीं है। इसके पूर्व एवं पश्चिमी जर्मनी एक हो चुके हैं, वियतमान में भी इसी संदर्भ में बाहरी षड्यंत्र विफल हो चुके हैं। इजराईल देश भी तो अनवरत साधना से ही बन पाया है, फिर भारत क्यों नहीं अखंड हो सकता। **- प्रह्लाद सबनानी**

इस स्त्रोत का पाठ करने से प्राप्त होती बृहस्पति देव की कृपा

जो भी जातक गुरुवार के दिन बृहस्पति देव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करता है, उसके जीवन की सभी समस्याओं का अंत होता है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। साथ ही 'बृहस्पति कवच और स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए।

हिंदू धर्म में बृहस्पति देव की पूजा करना शुभ माना जाता है। गुरु बृहस्पति ज्ञान, बुद्धि और संतान के कारण ग्रह माने जाते हैं। बृहस्पति देव की पूजा-अर्चना के लिए गुरुवार का दिन शुभ माना जाता है। जो भी जातक गुरुवार के दिन बृहस्पति देव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करता है, उसके जीवन की सभी समस्याओं का अंत होता है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। जिन जातकों के विवाह में देरी होती हैं, उन्हें भी देव गुरु बृहस्पति की पूजा करनी चाहिए। गुरुवार के दिन व्रत करने के साथ केले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए।

इसके बाद 'बृहस्पति कवच और स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए। आखिरी में आरती करें और पूजा में हुई भूलचूक के लिए क्षमा मांगे। गरीबों व जरूरतमंदों को भोजन कराएं और यथासंभव दान करें। ऐसा करने से कुंडली में बृहस्पति की स्थिति शुभ और मजबूत होती है। साथ ही व्यक्ति को भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

- अनन्या मिश्रा

।। गुरु स्तोत्र ।।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुस्साक्षात्परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥
अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः॥
अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरं।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥
अनेकजन्मसंप्राप्तकर्मबन्धविदाहिने ।
आत्मज्ञानप्रदानेन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥
मन्नाथः श्रीजगन्नाथो मद्गुरुः श्रीजगद्गुरुः।
ममात्मासर्वभूतात्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥
बर्ह्मानन्दं परमसुखदं केवलं ज्ञानमूर्तिम्।
द्वन्द्वातीतं गगनसदृशं तत्त्वमस्यादिलक्ष्यम॥
एकं नित्यं विमलमचलं सर्वधीसाक्षिभूतं।
भावातीतं त्रिगुणरहितं सद्गुरुं तं नमामि ॥

बृहस्पति कवच

अभीष्टफलदं देवं सर्वज्ञम् सुर पूजितम् ।
अक्षमालाधरं शांतं प्रणमामि बृहस्पतिम् ॥

बृहस्पतिः शिरः पातु ललाटं पातु मे गुरुः ।
कर्णौ सुरगुरुः पातु नेत्रे मे अभीष्टदायकः ॥

जिह्वां पातु सुराचार्यो नासां मे वेदपारगः ।
मुखं मे पातु सर्वज्ञो कंठं मे देवतागुरुः ॥

भुजावांगिरसः पातु करौ पातु शुभप्रदः ।
स्तनौ मे पातु वागीशः कुक्षिं मे शुभलक्षणः ॥

नाभिं केवगुरुः पातु मध्यं पातु सुखप्रदः ।
कटिं पातु जगवंद्य ऊरू मे पातु वाक्पतिः ॥

जानुजंघे सुराचार्यो पादौ विश्वात्मकस्तथा ।
अन्यानि यानि चांगानि रक्षेन्मे सर्वतो गुरुः ॥

इत्येतत्कवचं दिव्यं त्रिसंध्यं यः पठेन्नरः ।
सर्वान्कामानवाप्नोति सर्वत्र विजयी भवेत् ॥

राशिफल

श्रावण शुक्ल पक्ष : चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दुविधा बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीकठाक है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोट-चपेट से बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक दवाब झेलेंगे। स्वास्थ्य दिक्कत में रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीकठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कंधे में, नाक-कान व गला में परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीका भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक भ्रामक-सा मन रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी (एजेंसी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। कालभैरव दरबार में सावनी हरियाली श्रृंगार का दर्शन कर मुख्यमंत्री ने आरती भी उतारी। इसके बाद उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन किया।

बाबा के स्वर्णमंडित दरबार के गर्भगृह में मुख्यमंत्री ने विधि विधान से पावन ज्योर्तिलिंग का अभिषेक किया। सावन मास में दूसरी बार काशीपुराधिपति के दरबार में षोडशोपचार विधि से पूजन कर मुख्यमंत्री ने लोक कल्याण की कामना की। इसके पहले योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आदि योगी के दर्शन किए थे।

मुख्यमंत्री ने बाबा काल भैरव की पूजा अर्चना के बाद मंदिर से निकलते समय बच्चों से बातचीत की और उन्हें प्रसाद स्वरूप चॉकलेट दिया। खास बात यह रही कि श्री काल भैरव मंदिर से निकलने और बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर जलाभिषेक करने आए भक्तों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद अभिवादन किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी को देखकर शिवभक्तों ने हर-हर महादेव का जयकारा लगाया। शनिवार को दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर प्रशासन, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रावण मास के शेष दिनों में भी भक्तों की हर सुविधा का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने नागरिकों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी दीं।

नोएडा-सेक्टर 30 चाइल्ड पीजीआई हॉस्पिटल के डॉक्टरों व अन्य स्टाफ ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में निकाला कैंडल मार्च।

यमुना नदी में डूबने से दो भाइयों की मौत, चाचा को गोताखोरों ने बचाया

फिरोजाबाद(एजेंसी)। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र निवासी दो भाइयों की शनिवार को जिला आगरा के बटेश्वर स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर पर बने यमुना घाट पर स्नान करते समय डूबने से मौत हो गई। जबकि उनके चाचा को गोताखोर ने बचा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है।

जनपद आगरा के बाह तहसील अंतर्गत बटेश्वर के पंचमुखी महादेव घाट पर शनिवार की दोपहर शिकोहाबाद के ग्राम नौशहरा गांव के तीन लोग यमुना नदी में डूब गए। जिसमें दो सगे भाई आर्यन (15), वंशी (16) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मृतकों के चाचा राजेश (40) को गोताखोरों ने बचा लिया। तीनों गांव के भंडारे में शामिल होने के बाद वहां पर आए थे। नहाने के लिए नदी में कूदते समय हादसा हुआ।

परिजनों ने तीनों को जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद पहुंचाया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मृत सगे भाइयों के परिवार में मातमी कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली तथा शवों को पोस्टमार्टम के लिए फिरोजाबाद के पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया है।

नोएडा। डीएलएफ मॉल में मॉक ड्रिल के दौरान डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम जांच करती हुई।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में निकाली पैदल यात्रा

ग्रेटर नोएडा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में जिले के विभिन्न हिंदू संगठनों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध करने के बाद एडीएम एलए बच्चू सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर किए जाने की मांग को प्रमुखता के साथ उठाया। साथ ही बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी रखी।

विश्व हिंदू महासंघ, गोरक्षा दल और जनसंख्या समाधान फाउंडेशन समेत विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता तिलपता चौक पर एकत्र हुए और पैदल मार्च करते हुए सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान एहतियात के तौर पर पुलिस बल और अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को रुकवाने के लिए कदम उठाए जाए। संगठनों ने मांग की है कि सीएए को पूरे देश में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। एक परिवार में दो बच्चों से ज्यादा वाले परिवारों को सरकारी राशन और समस्त सुविधाओं से मुक्त किया जाए। प्रदर्शन में विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष हरिओम रावल, वेद नागर, अनिल शर्मा, चैनपाल प्रधान, कपिल गुर्जर, नरेश उपाध्याय, बिल्लू प्रधान सहित अन्य लोग शामिल हुए।

स्वतंत्रता सेनानी की पत्नी विद्या देवी को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। बिलासपुर क्षेत्र के कनारसी गांव के स्वतंत्रता सेनानी बलिदानी चंदू सिंह नागर की धर्मपत्नी विद्या देवी को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर नागेंद्र सिंह ने फूलमाला, मिठाई व वस्त्र देकर सम्मानित किया।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय व मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि कनारसी गांव के स्वतंत्रता सेनानी बलिदानी चंदू सिंह नागर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ आजाद हिंद फौज में रहकर देश की आजादी की लड़ाई लड़ी, चंदू सिंह नागर को 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ताम पत्र देकर भी सम्मानित किया था। स्वतंत्रता सेनानी चंदू सिंह नागर का देहांत 15 अगस्त 1999 को स्वतंत्रता दिवस के दिन हुआ।

चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा व करप्शन फ्री इंडिया संगठन भी पिछले कई वर्षों से लगातार स्वतंत्रता सेनानी चंदू सिंह नागर की धर्मपत्नी विद्या देवी को सम्मानित करता रहा है। इस दौरान कमेटी सदस्य मास्टर दिनेश नागर, प्रेमराज भाटी, प्रेम प्रधान ,कुलबीर भाटी राकेश नागर, रोहतास नागर, सुभाष नागर, यतेंद्र नागर ,बालेश्वर फौजी, प्रमोद कुमार, अजय नागर, बृजपाल भाटी,संदीप कुमार, पिंटू मास्टर आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

25 हजार का इनामी भूमाफिया पप्पू यादव गिरफ्तार

पकड़े गए आरोपी पर 17 मुकदमे पूर्व में हैं दर्ज

नोएडा। थाना फैस दो पुलिस ने चेकिंग के दौरान 25 हजार के इनामी भूमाफिया हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। उस पर 17 मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फैस दो के थाना प्रभारी विद्यांचल तिवारी और उनकी टीम ने 25000 के इनामी भूमाफिया पप्पू यादव पुत्र शेर सिंह यादव निवासी सफार्बाद को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने बताया कि पप्पू यादव लोगों को अपने जाल में फंसाकर जमीन के फर्जी दस्तावेज के सहारे उन्हें जमीन बेचकर उनके साथ धोखाधड़ी कर पैसे हड़पने का धंधा कर रहा था। जब धोखाधड़ी के शिकार हुए लोग उनसे पैसे वापस मांगते, तो उन्हें जान से मारने की धमकी देता था। डीसीपी ने बताया कि थाना सेक्टर 113 का वह हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और उस पर पूर्व में भी 17 मुकदमे दर्ज हैं।

खास खबर

अटल सेतु पर आत्महत्या कर रही थी महिला, पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंच बचाई जान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में आत्महत्या की कोशिश करने वाली महिला को पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ से बचा लिया। महिला ने अटल सेतु से कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम 7 बजे मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ने वाले अटल सेतु पर एक महिला पहुंची थी। इस दौरान महिला अटल सेतु पर चढ़ गई और फ्लाईओवर से समंदर में कूदने की कोशिश करने लगी। हालांकि, मौके पर मौजूद एक शख्स ने महिला को पकड़ लिया। इस बीच अटल सेतु पर पेट्रोलिंग पर निकली गाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़ लिया। और उसे ऊपर की ओर खींच लिया। महिला की उम्र 56 साल के आसपास बताई जा रही है। वह मुलुंड की रहने वाली है और मानसिक तनाव से पीड़ित है। जानकारी के अनुसार, मानसिव तनाव के कारण ही वह आत्महत्या के इरादे से अटल सेतु पर आई थी। महिला जब सेतु से कूदने जा रही थी तभी स्थानीय ट्रैफिक पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे बचा लिया। बता दें कि जिन पुलिसकर्मियों ने महिला को बचाया है। उनके नाम ललित शिरसाट, किरण मात्रे, यश सोनवणे और मयूर पाटिल हैं। इन पुलिसकर्मियों की तत्परता के कारण ही महिला की जान बच पाई। फिलहाल महिला को काउंसलिंग और इलाज के लिए घर भेज दिया है। लेकिन, महिला सुसाइड की कोशिश का ये मामला सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

संसद में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष बनाए गए केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन से जुड़ी महत्वपूर्ण समितियों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी है। परंपरा के मुताबिक, संसदीय व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाली समिति लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद केसी वेणुगोपाल को नियुक्त किया गया है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए बुलेटिन पार्ट -2 के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने वर्ष 2024-25 के लिए केसी वेणुगोपाल को लोक लेखा समिति का सभापति नियुक्त किया है। इस समिति में लोकसभा से 15 और राज्य सभा से 7 सांसद यानि कुल मिलाकर अध्यक्ष सहित 22 सांसद शामिल हैं। केसी वेणुगोपाल के अलावा लोकसभा से टीआर बालू,निशिकान्त दुबे, जगदंबिका पाल, जय प्रकाश, रवि शंकर प्रसाद, सीएम रमेश, मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी, प्रो. सौगत राय, अपराजिता सारंगी, डॉ. अमर सिंह, तेजस्वी सूर्या, अनुराग सिंह ठाकुर, बालाशौरी वल्लभनेनी और धर्मेन्द्र यादव समिति के सदस्य हैं। वहीं राज्य सभा से अशोक चव्हाण, शक्तिसिंह गोहिल, डा.के.लक्ष्मण, प्रफुल्ल पटेल , सुखेंदु शेखर रॉय, तिरुचि के शिवा और सुधांशु त्रिवेदी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद शामिल हैं। आपको बता दें कि, संसदीय व्यवस्था में लोक लेखा समिति को सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली समिति माना जाता है। इस समिति का कार्यकाल 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होगा। इसके साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ने सदन से जुड़ी कई अन्य महत्वपूर्ण समितियों के अध्यक्षों की भी नियुक्ति कर दी है। अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति का अध्यक्ष गणेश सिंह, प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष संजय जायसवाल, सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति का अध्यक्ष बैजयंत पांडा को नियुक्त किया है।

जन्माष्टमी पर बांके बिहारी मंदिर के कार्यक्रम के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिए निर्देश

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के साथ परामर्श कर आगामी जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के कार्यक्रम स्क्रीन पर सीधा प्रसारण करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा, 'जब सीसीटीवी कैमरे स्थापित हो जाएं तो सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के साथ सलाह मशविरा किया जाए। जिला मजिस्ट्रेट, सिविल जज के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।' न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने मथुरा के अनंत शर्मा और एक अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को यह आदेश जारी किया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने उच्च न्यायालय को अवगत कराया कि श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन मंदिर परिसर के भीतर बैरिकेड लगाकर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर सकेगा कि किसी खास समय पर एक निश्चित संख्या में ही श्रद्धालुओं को भीतर जाने की अनुमति हो, जिससे मंदिर परिसर में जरूरत से अधिक भीड़ न हो। इस याचिका में उचित भीड़ प्रबंधन के लिए प्रार्थना की गई थी, खासकर त्योहारों और छुट्टियों के दिन जब लाखों की संख्या में श्रद्धालु वहां एकत्रित होते हैं।

सबसे ज्यादा सीट का मतलब सीएम पद नहीं, उद्धव ठाकरे ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

मुंबई, एजेंसी। शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को आगामी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के मुख्यमंत्री पद पर दावे वाले फॉर्मूले की बजाय चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने पर जोर दिया और कहा कि वह महा विकास आघाडी (एमवीए) की ओर से घोषित ऐसे किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। एमवीए पार्टी कार्यकर्ताओं को यहां संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हुए हैं तो विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र के स्वाभिमान को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आगे कहा कि वह इस विचार का समर्थन नहीं करते कि अधिकतम विधायकों वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिले। उद्धव ठाकरे के इस बयान के बाद कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, राज्य में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है और अब ठाकरे के बयान से साफ है कि वे मुख्यमंत्री पद सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले दल को ही मिले, इसके इच्छुक नहीं हैं।

एमवीए में शिव सेना (यूबीटी), शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल हैं। उन्होंने

जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला पहले किया जाना चाहिए न कि चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के तर्क वाले आधार पर। ठाकरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन के दौरान उनका अनुभव यह रहा कि जिसके पास संख्या होगी उसे मुख्यमंत्री का पद मिलेगा। उन्होंने इस नीति को नुकसानदेह करार दिया क्योंकि इससे एक दल, अपने गठबंधन में बढ़त बनाए रखने के लिए दूसरे दल के उम्मीदवार को हराने की कोशिश करेगा।

ठाकरे ने कहा, पहले (मुख्यमंत्री का चेहरा) फैसला करें और फिर आगे बढ़ें लेकिन इस नीति (जिनके पास सबसे ज्यादा सीट होंगी उसे मुख्यमंत्री पद मिलेगा) के अनुसार न चलें । पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उद्धव ठाकरे कांग्रेस और राकांपा द्वारा एमवीए के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेगा। मैं अपने लिए नहीं लड़ रहा हूं बल्कि महाराष्ट्र के अधिकारों के लिए लड़ रहा हूं। ठाकरे ने एमवीए कार्यकर्ताओं से निजी स्वार्थों से ऊपर उठने और महाराष्ट्र के गौरव और हित की रक्षा के लिए लड़ने के लिए कहा। उन्होंने उनसे राज्य में विपक्षी गठबंधन का दूत बनने का भी आग्रह किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने संबोधन में देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की वकालत किए जाने पर ठाकरे ने सवाल किया कि क्या उन्होंने हिंदुत्व छोड़ दिया है

पीएम मोदी ने कहा था, देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है कि जिस नागरिक संहिता को लेकर हम लोग जी रहे हैं, वह सचमुच में साम्प्रदायिक और भेदभाव करने वाली संहिता है। मैं चाहता हूं कि इस पर देश में गंभीर चर्चा हो और हर कोई अपने विचार लेकर आए। ठाकरे ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए पूछा, क्या आपने हिंदुत्व छोड़ दिया है आपने चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के साथ गठबंधन किया जो हिंदुत्व में विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और पूछा कि जब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत था तो इसे पारित क्यों नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, क्या आप हमारे बीच झगड़ा कराने के लिए वक्फ विधेयक लाए हैं और यदि आपको इसे लाना ही था तो आपने बहुमत होने पर ऐसा क्यों नहीं किया? मेरे संसद सदस्य वहां नहीं थे क्योंकि वे मेरे साथ थे। अगर इस पर चर्चा होनी होती तो हमारे सांसद इसमें हिस्सा लेते। ठाकरे की पार्टी को इस बात के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था कि पिछले सप्ताह लोकसभा में चर्चा के लिए आए इस विधेयक पर उसने अपने विचार नहीं रखे। विधेयक को बाद में जांच के लिए एक संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। उन्होंने अयोध्या में भूमि सौदों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग करते हुए कहा, जिस तरह आप हमारे हिंदू मंदिरों से जमीन लेकर अपने ठेकेदार मित्रों को दे रहे हैं, उसी तरह वक्फ बोर्ड की जमीन चुराकर अपने उद्योगपति दोस्तों को देने जा रहे हैं... तो हम कोई गड़बड़ी नहीं होने देंगे। ठाकरे ने निर्वाचन आयोग को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा करने की चुनौती भी दी।

छत्तीसगढ़ में दो नई रेल लाइन के फाइनल सर्वे को मंजूरी, जानिए कहां से कहां तक बिछेगी

कोरबा, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के कोरबा से अंबिकापुर और गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) नई रेल लाइन के लिए फाइनल सर्वे को मंजूरी दे दी है। इसके तहत कोरबा से अम्बिकापुर (180 किमी) एवं गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) (490 किमी) नई रेल लाइन निर्माण के लिए फाइनल सर्वे व डीपीआर(विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने के लिए रेल मंत्रालय की ओर से 16.75 करोड़ रुपए की राशि भी मंजूर की गई है। दोनों नई रेल लाइन के लिए फाइनल सर्वे की मंजूरी पर रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण राज्य है। छत्तीसगढ़ में इस समय 37,018 करोड़ रुपए की लागत से 2,731 किलोमीटर की 25 नई रेल लाइन परियोजनाओं पर काम चल रहा है। जब रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हो और उसी समय नई पटरी का निर्माण, नए स्टेशन का निर्माण, रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास एवं यार्ड रिमॉडलिंग जैसे रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित विभिन्न कार्य किए जाते हैं, तो ट्रेनों के सुगम परिचालन में कई तरह की परेशानियां सामने आती हैं। इसी के चलते कई बार ट्रेनों को रद्द भी करना पड़ता है लेकिन हम संकल्पित हैं कि छत्तीसगढ़ में जल्द से जल्द विश्वस्तरीय रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित करेंगे और राज्य के लोगों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएंगे एवं अधिक से अधिक ट्रेनें चलाएंगे। रेलमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात हुई थी। इस दौरान उन्होंने राज्य में रेलवे से संबंधित कई परियोजनाओं की मांग की थी। इन्हीं में से आज 670 किलोमीटर की दो नई रेल लाइन परियोजनाओं की डीपीआर (16.75 करोड़ रुपए) को स्वीकृति दी गई है।

सर्वेक्षण - महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद की रेस में एकनाथ शिंदे सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। मैट्रिज सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा किए गए एक सर्वे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे बताया गया है। शुक्रवार को टाइम्स नाउ द्वारा प्रसारित सर्वे रपिर्ट के मुताबकि अगर आज चुनाव होते हैं, तो 27फीसदीमतदाता शिंदे को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पसंद करते हैं। इसी तरह, सर्वेक्षण में शामिल 35फीसदीलोगों ने सीएम के रूप में शिंदे के प्रदर्शन को बहुत अच्छा बताया है। सर्वे के मुताबकि सीएम शदि द्वारा चलाई गई लाडली बहना योजना का मतदाताओं पर बहुत सकारात्मक प्रभाव है। सर्वेक्षण में शामलि 27फीसदीउत्तरदाताओं ने अन्य उम्मीदवारों की तुलना में मुख्यमंत्री पद के लिए एकनाथ शिंदे को प्राथमिकता दी। 23फीसदीलोगों ने उद्धव ठाकरे का समर्थन किया, 21फीसदीने देवेंद्र फडणवीस का और 9फीसदीने शरद पवार का समर्थन किया। शेष 20फीसदीउत्तरदाताओं ने अन्य उम्मीदवारों को पसंद किया। सर्वेक्षण के अनुसार, 35फीसदीलोगों ने मुख्यमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे के प्रदर्शन को बहुत अच्छा बताया, जबकि 21फीसदीने इसे औसत बताया। 14फीसदीउत्तरदाता अनिश्चित थे, और 30फीसदीशिंदे के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं थे। सर्वेक्षण के मुताबकि महाराष्ट्र में भाजपा को 95 से 105 सीटें, शिवसेना शिंदे गुट को 19 से 24 सीटें, और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 7 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है।

बंगाल की स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार: राज्यपाल सीवी आनंद बोस

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में डॉक्टर से रेप और हत्याकांड को लेकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बंगाल में बर्बरता और घोटालों ने आम लोगों की जिंदगी दुश्वार कर दी। उन्होंने बंगाल की स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि दो मेडिकल स्टूडेंट्स ने उनसे कहा कि उनका परिवार चाहता वे यह प्रोफेशन छोड़ दें।

एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में आनंद बोस ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में मृत पाई गई ट्रेनी डॉक्टर के नाम पर राजभवन का एक कक्ष खोला गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का नाम अभया दिया गया है। अगर किसी भी डॉक्टर को कभी धमकी मिलती है या फिर डर लगता है तो वह राजभवन के इस कक्ष का मेहमान हो सकता है। इस हत्याकांड के बाद विरोध प्रदर्शन और अस्पताल में तोड़फोड़ को लेकर राज्यपाल ने कहा कि राज्य में गुंडागर्दी और घोटाले बहुत बढ़ गए हैं और आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

उन्होंने कहा, मेडिकल स्टूडेंट्स का कहना है कि उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। कैंपस के अंदर सुरक्षा के इंतजाम ही नहीं हैं। कुछ छात्राओं ने कहा कि उनके माता-पिता प्रोफेशन छोड़ने को कह रहे हैं। उनका कहना है कि जीवन किसी भी प्रोफेशन से ज्यादा जरूरी है। वहीं डॉक्टर गांवों में सेवा करने को इसलिए नहीं तैयार

हैं क्योंकि वहां गुंडागर्दी बहुत है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सड़कों पर राजनीति के नाम पर क्या होता है। यह मेरा काम नहीं है लेकिन इससे समाज में डर फैलरहा है। बंगाल में हिंसा ही हिंसा है।

उन्होंने कहा कि गोपालकृष्ण गोखल ने कहा था, जो आज बंगाल सोचता है वही क ल भारत सोचेगा। यही बात रवींद्रनाथ टैगोर ने भी कही थी कि जहां लोगों के जेहन में डर ना हो ऐसे लोकतंत्र की जरूरत है। लेकिन उनके सपनों का बंगाल अब कहां है। एक राज्यपाल के रूप में मुझे इस बात की चिंता होती है।

क्या लगेगा राष्ट्रपति शासन पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन को लेकर विपक्षी मांग पर राज्पाल ने कहा कि मांग तो मांग ही होती है। अब देखना है कि होना क्या है। एक राज्यपाल के रूप में मैं स्थितियों को समझता हूं। संविधान में बहुत सारे विकल्प हैं। मैं बहुत ज्यादा लोगों के बीच नहीं आना चाहता। हालांकि जो भी करना होगा वह संविधान के दायरे में ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बंगाल की स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं।

हिमाचल के रामपुर में फिर बादल फटा, ऊना में पुल टूटा, इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून का रौद्र रूप जारी है। समेज में 17 दिन पहले मानसून से हुई भारी तबाही के बाद एक बार फिर रामपुर उपमंडल में बादल फटने की घटना सामने आया है। रामपुर के तकलेच में बीती रात बादल फटने से आए सैलाब ने लोगों को डरा दिया। जान बचाने के लिए लोग रात को अपने घरों व दुकानों को छोड़कर भागे।

बादल फटने की घटना रामपुर के तकलेच पंचायत के अंतर्गत डमराली में हुई है। इससे यहां के नाले में बाढ़ आ गई और कई घर खतरे की जद में आ गए। सड़क का कई मीटर हिस्सा सैलाब में बह गया, जिससे इलाके में परिवहन सुविधा ठप पड़ गई है। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी देर रात नोगली पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि इस घटना से अभी तक जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। जिला प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने

कहा कि डमराली और तकलेच के कारण देर शाम को भारी बारिश हुई। तकलेच के ऊपर वाले हिस्से डमराली में बादल फटने से पानी का भारी सैलाब साथ लगते नाले में आ गया। जिस वक्त यह सैलाब आया तकलेच वासियों ने इस नाले की गड़गड़ाहट साफ सुनी। लोग घरों से बाहर निकल गए। इसी वजह से बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। डमराली स्थित मोबाइल टावर भी बंद हो गया। इस कारण यहां की छह पंचायत का मोबाइल सिग्नल प्रभावित हो चुका है। रामपुर के एसडीएम निशांत तोमर ने बताया कि मौके पर बचाव टीम नहीं पहुंच पाई है, क्योंकि एक जगह से सड़क टूट गई है। लेकिन स्थानीय पंचायत प्रधान से फोन पर बात हुई और उन्होंने किसी भी प्रकार से जानी नुकसान की सूचना से इंकार किया है।

उधर, भारी बारिश से ऊना में भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। देर रात हुई भारी बारिश से आई बाढ़ की वजह से ऊना-संतोषगढ़ रोड पर स्थित रामपुर पुल का एक कोना टूटू गया है।

हरियाणा मांगे हिसाब यात्रा में दीपेंद्र हुड्डा बोले, चार अक्टूबर को भाजपा बाहर

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत पिहोवा विधानसभा पहुंचे सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वो दिन आ गया है, जिसका जनता बेसब्री से इंतजार कर रही थी। दीपेंद्र हुड्डा ने चुनाव की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि चार अक्टूबर को भाजपा बाहर। उन्होंने कहा कि प्रदेश पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है, जबकि विकास कार्यों पर फुल स्टॉप लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में हरियाणा के साथ भेदभाव किया गया और खेल बजट में भी अनदेखी की गई। केंद्र सरकार हरियाणा से सात रुपए जीएसटी ले रही है और केवल एक रुपए लौटा रही है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि ओलंपिक में देश के 117 खिलाड़ियों में से 24 हरियाणा के थे, देश को मिले 6 पदकों में से 5 हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, लेकिन 2200 करोड़ के खेल बजट में हरियाणा को केवल 65 करोड़ का बजट दिया गया, जबकि गुजरात को 600 करोड़ और यूपी को 500 करोड़ का बजट दिया गया। बता दें कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शुक्रवार के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत पिहोवा विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा निकाली, जो पिहोवा अनाज मंडी, मेन चौक से शहीद स्मारक तक गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग दीपेंद्र हुड्डा के साथ

चलते रहे। हरियाणा सरकार अपने विज्ञापनों में नॉन स्टॉप की बात कर रही है, लेकिन यह नहीं बता रही कि नॉन स्टॉप क्या होता है। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने 500 का सिलेंडर देने का वादा किया, तो अब भाजपा सरकार ने भी इसी तरह की घोषणा कर डाली, लेकिन कहा जा रहा है कि 500 का सिलेंडर नवंबर के बाद मिलेगा। यानी इस सरकार में आखिरी रोटी भी महंगे सिलेंडर पर ही बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री के पास फतेहाबाद में गिनवाने के लिए काम नहीं थे, तो उन्होंने इसी मंच से हुड्डा सरकार के दौरान हुए कामों को गिनवा डाला।दीपेंद्र हुड्डा ने कहा था कि मुख्यमंत्री विपक्ष से ही हिसाब मांगने लगे। विपक्ष हिसाब मांगता है, हिसाब मांगना सरकार का काम नहीं। यानी आप भी मान रहे हो कि कांग्रेस सत्ता में आ रही है।

जनमत सर्वेक्षण - हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं, भाजपा सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मैट्रिज सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा किए गए और शुक्रवार को टाइम्स नाउ द्वारा प्रसारित एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, अगर आज विधानसभा चुनाव होते हैं तो हरियाणा, झारखंड या महाराष्ट्र में कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करने की स्थिति में नहीं है। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को थोड़ी बढ़त है, हालांकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) बहुत पीछे नहीं है।

सर्वेक्षण के मुताबकि महाराष्ट्र में भाजपा को 95 से 105 सीटें, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 19 से 24 सीटें और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 7 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस को 42 से 47 सीटें, शिवसेना-यूबीटी (उद्धव ठाकरे गुट) को 26 से 31 सीटें और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी को 23 से 28 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि अन्य दलों और उम्मीदवारों को 11 से 16 सीटें मिलने का अनुमान है। मतों के संदर्भ में सर्वे में भाजपा को 25.8, शिवसेना को 14.2, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 5.2फीसदी मिलने का अनुमान है। जबकि कांग्रेस को 18.6, शिवसेना-यूबीटी को 17.6, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 6.2 और अन्य को 12.4फीसदी मत मिलने की बात कही गई है। ओपिनियन पोल के अनुसार,

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवारों की सूची में एकनाथ शिंदे सबसे आगे हैं। सर्वेक्षण में शामलि 27फीसदी उत्तरदाताओं ने उन्हें बतौर मुख्यमंत्री पसंद कयिा। सर्वे में शामिल 23फीसदीलोगों ने उद्धव ठाकरे का, 21फीसदीने देवेंद्र फडणवीस और 9फीसदी लोगों ने शरद पवार का समर्थन किया। शेष 20फीसदी उत्तरदाताओं ने अन्य उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी। उधर, हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 37 से 42 सीटें, कांग्रेस को 33 से 38 सीटें, जेजेपी को 3 से 8 सीटें और अन्य दलों को 7 से 12 सीटें मिलने की उम्मीद है। किसी भी एक पार्टी को अपने दम पर बहुमत हासिल करने का अनुमान नहीं है, लेकिन भाजपा को थोड़ा बढ़त है। झारखंड की 81 सदस्यीय वधिानसभा में जेएमएम को 19 से 24 सीटें, कांग्रेस को 7 से 12 सीटें, भाजपा को 38 से 43 सीटें, एजेएसयूपी को 2 से 7 सीटें और अन्य को 3 से 8 सीटें मिलने की उम्मीद है। इस आदिवासी राज्य में, भाजपा 42 सीटों के साथ बहुमत हासिल करती दिखाई दे रही है। ओपिनियन पोल के अनुसार, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बतौर मुख्यमंत्री 40फीसदी लोगों ने बहुत अच्छा, 21फीसदीने औसत, 24फीसदी ने अच्छा नहीं बताया। 15फीसदीलोग अस्पष्ट थे।

विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

बोलीं- पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया। विनेश ने हाथ जोड़कर कहा कि मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं। यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया। नारंग ने लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम। विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा कि विनेश स्वदेश लौट रही है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।

नारंग ने कहा

नारंग ने लिखा, ''वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम।''

हरविंदर ने कहा

विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा, ''विनेश स्वदेश लौटी है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।''

राहुल द्रविड़ के बेटे समित ने दिखाए अपने तेवर

महाराजा टी-20 ट्रॉफी का बैटिंग वीडियो वायरल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज राहुल द्रविड़ के बेटे समित का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह बैटिंग करते हुए बड़े-बड़े शॉट खेलते हुए नजर आ रहे हैं। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ की महाराजा टी-20 ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण में मैसूर वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। समित ने टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत नहीं की थी। शुरुआती दो मैचों में वह डबल डिजिट तक भी नहीं पहुंच सके थे। बेंगलुरु ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच के दौरान समित के एक शॉट ने फैंस का दिल जीता। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए समित बड़ी पारी नहीं खेल सके, उन्होंने अपनी टीम के कुल स्कोर में सिर्फ सात रन का योगदान दिया। बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और समित की टीम चार विकेट से हार गई। हालांकि मैच के दौरान समित ने जो छक्का लगाया था, वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। समित ने एक युवा ऑलराउंडर के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने 2023-24 कूच बिहार ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने कर्नाटक को खिताब दिलाने में अहम योगदान दिया और इस टूर्नामेंट में आठ मैचों में 362 रन बनाए। समित ने टूर्नामेंट के दौरान जम्मू और कश्मीर के खिलाफ मुकाबले में 98 रन की दमदार पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने गेंद से भी कमाल दिखाया था और टूर्नामेंट में कुल 16 विकेट चटकाए थे। फाइनल में मुंबई के खिलाफ उन्होंने दो विकेट लिए थे। दबाव में समित ने वैसा ही धैर्य और कौशल दिखाया, जैसा उनके पिता राहुल द्रविड़ अपने शानदार करियर के दौरान दिखाते थे। कई बार राहुल द्रविड़ अपने बेटे का मैच देखने के लिए स्टेडियम भी पहुंचे हैं। राहुल द्रविड़ इस समय ब्रेक पर हैं। उन्होंने करीब तीन साल तक भारतीय टीम की कोचिंग की और टीम को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में चैंपियन भी बनाया। द्रविड़ के नेतृत्व में, भारत पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में भी पहुंचा था, लेकिन दोनों मैचों में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था।

समित का शानदार शॉट

18 साल के समित द्रविड़ का ये शॉट आया बेंगलुरु ब्लास्टर्स के खिलाफ. शुक्रवार 16 अगस्त को बेंगलुरु में हुए इस मुकाबले में मैसूरू ने पहले बैटिंग की. इस दौरान चौथे नंबर पर बैटिंग के लिए आए समित की शुरुआत धीमी रही और 5 गेंदों में वो सिर्फ एक रन बना सके थे. इसमें लगातार 3 गेंद खाली निकल गईं थी. समित ने अगली गेंद पर हिसाब बराबर करने की ठानी और गणेश्वर नवीन की गेंद पर को हवा में ऊंचा उठा दिया. गेंद लंबी भी गई और सीधे बाउंड्री के बाहर स्टेडियम की सीटों के बीच जाकर गिरी.

श्रीलंकाई बल्लेबाज निरोशन डिकवेला डोपिंग में फंसे, तत्काल निलंबित

कोलंबो। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को डोपिंग टेस्ट में विफल पाये जाने पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंधित कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिकवेला पर निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक कि आगे की सूचना न दी जाए। विज्ञप्ति अनुसार, ''लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 के दौरान श्रीलंका एंटी-डोपिंग एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षण खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए एसएलसी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। खेल मंत्रालय के सहयोग से और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के दिशानिर्देशों के अनुसार की गई इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्रिकेट निषिद्ध पदार्थों के प्रभाव से मुक्त रहे। एसएलसी, खेल मंत्रालय और एसएलएडीए के साथ मिलकर खेल को डोपिंग उल्लंघनों से बचाने के लिए घरेलू टूर्नामेंटों के दौरान इन परीक्षणों को भी आयोजित कराया जाता है। डिकवेला हाल ही में संपन्न लंका प्रीमियर लीग (एसपीएल) के दौरान विश्व डोपिंग रोधी दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित एक डोपिंग टेस्ट को पास करने में विफल रहे हैं। आगे की जांच पूरी होने तक उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों से निलंबित कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज डिकवेला ने एलपीएल 2024 में गैल मार्वल्स की टीम की कप्तानी की थी। वह आखिरी बार मार्च 2023 में राष्ट्रीय टीम के लिए खेले थे। इस साल की शुरुआत में बंगलादेश के खिलाफ श्रीलंका की टी-20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। निरोशन डिकवेला का विवादों से पुराना नाता रहा है. इसके पहले वो साल 2021 में इंग्लैंड दौरे पर बायो-बबल तोड़ने की वजह से 1 साल के लिए बैन हो गए थे। उनके अलावा दानुष्का गुणथिलाका और कुसल मेंडिस को भी इतने समय के लिए बैन किया गया था। डिकवेला काफी लंबे समय से श्रीलंका की टीम से बाहर चल रहे है।

सिनसिनाटी में हारे कार्लोस अल्कराज

सिनसिनाटी। 4 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला। मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था। मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया। मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है। मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए।

तीन महीने के ब्रेक पर होंगी मनु भाकर

नई दिल्ली। लगातार अभ्यास के दौरान पिस्टल रिकॉइल से उनके निशानेबाजी वाले हाथ में घाव हो गया लिहाजा ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर अब 3 महीने तक ब्रेक की हकदार है लेकिन यह उनके लिए छुट्टी नहीं होगी। मनु के रूटीन में कोई बदलाव नहीं होगा यानी वह सुबह छह बजे उठकर योग करेंगी। इसके अलावा वह अपने कुछ शौक भी पूरे करना चाहती है जिसमें घुड़सवारी, स्केटिंग, भरतनाट्यम और वॉयलिन का अभ्यास शामिल है। 22 वर्ष की मनु ने शुक्रवार को अपने कोच जसपाल राणा के साथ अपने करियर और भविष्य की योजनाओं पर बातचीत की। हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु ने कहा कि अब मेरे पास ब्रेक है तो मैं फिर से मार्शल आर्ट्स का अभ्यास कर सकती हूं। उन्होंने कहा कि मेरे पास पहले उतना समय नहनीं था लेकिन अब अपने शौक के लिये समय निकाल सकती हूं। मुझे घुड़सवारी का शौक है, स्केटिंग और फिटनेस वर्कआउट का शौक है। इसके अलावा मैं भरत नाट्यम सीख रही हूं। मुझे भारतीय नृत्य शैलियां पसंद है। वॉयलिन बजाना भी सीख रही हूं। मनु ने 'छुट्टी' के लिए अपनी 'बकेट लिस्ट' का खुलासा किया तो राणा के चेहरे पर मुस्कान आ गई जिन्होंने घुड़सवारी के लिए मना किया। उन्होंने कहा कि फिर उसे एक पीस में लौटना होगा। यह सुनकर मनु हंस पड़ी। राणा ने कहा कि उसे स्केटिंग और घुड़सवारी नहीं करनी चाहिए क्योंकि कुछ भी होगा तो वह जिम्मेदार होगी। यह सोचकर कौन घोड़े पर बैठता है कि वह गिर जाएगा। मनु ने कहा कि मैं ओलंपिक खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मुझे घुड़सवारी करनी है। मुझे स्काय डाइविंग, स्कूबा डाइविंग भी करनी है। मैंने लंबा इंतजार किया है।

ओलंपिक के बाद जल्द खेलते दिखेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। भारत के जेवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के बाद लुसाने डायमंड लीग में हिस्सा लेने की बात कही है। चोपड़ा अपनी लंबे समय से चली आ रही कमर की चोट के इलाज के लिए डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए ओलंपिक के बाद जर्मनी गए थे। वहां, सिल्वर मेडल जीता। नीरज चोपड़ा हर्निया की परेशानी से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से पिछले 12 महीनों से उनकी कमर में दर्द हो होता है। वह वर्तमान में अपने कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ स्विटजरलैंड के मैगलिंगन में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हाल ही में चोपड़ा ने अपनी फिटनेस पर अपडेट देते हुए कहा कि सौभाग्य से पेरिस में उन्हें चोट से ज्यादा परेशानी नहीं हुई। उन्होंने 22 अगस्त से शुरू होने वाली लुसाने डायमंड लीग में अपनी भागीदारी की भी पुष्टि की। नीरज ने कहा, मैंने आखिरकार 22 अगस्त से शुरू होने वाले लुसाने डायमंड लीग में भाग लेने का फैसला किया है। सौभाग्य से, पेरिस ओलंपिक अच्छा रहा और मुझे अपनी चोट से ज्यादा परेशानी नहीं हुई। इसलिए मैंने सीजन पूरा करने और उसके बाद इलाज के बारे में डॉक्टर की सलाह लेने के बारे में सोचा। गौरतलब हो कि चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने में असफल रहे थे। नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ मेंस भाला फेंक फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे।

पेरिस पैरालम्पिक : खेल मंत्री मनसुख मांडविया बोले

मैंने 25 पदक का लक्ष्य बताया है

नई दिल्ली। अपनी जिंदगी में हर तरह की चुनौतियों को मात देकर पैरालंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए तैयार खिलाड़ी एक बार फिर से इन खेलों में अपनी चमक बिखरने को तैयार हैं। पैरालंपिक खेलों का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस में होगा। भारत के 84 सदस्यीय दल के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित विदाई समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि उन्हें 'चुनौती' को चुनौती देने वाले खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। इस मौके पर खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया और उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल मौजूद थे। मांडविया ने पिछले कुछ वर्षों में पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का 84 सदस्यों का दल पेरिस जा रहा है। पिछली बार टोक्यो पैरालंपिक में यह संख्या 56 थी। हमारे 56 खिलाड़ियों के दल ने 19 पदक जीते लेकिन इस बार हमारे खिलाड़ियों की संख्या 84 है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर अपने माता पिता और देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने पैरालंपिक खिलाड़ियों से कहा कि आप चुनौती को चुनौती देने वाले खिलाड़ी हो, आप विपरीत परिस्थिति को अनुकूल करने वाले लोग हो। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस मौके पर भाला फेंक चैंपियन सुमित और गोला फेंक की अनुभवी खिलाड़ी भाग्यश्री जाधव को उद्घाटन समारोह के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक नामित किया गया। सुमित ने कहा कि मैं इन खेलों में एक बार फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। कोशिश रहेगी कि स्वर्ण पदक के साथ देश वापस आए। तोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि इस बड़े आयोजन में देश का ध्वजवाहक होना गर्व की बात है।

आईपीएल 2025 को लेकर धोनी के नाम पर फैल रहा था झूठ!

सीएसके सीईओ ने कर दिया खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन के लिए मेगा नीलामी होनी है। इसके लिए सभी फ्रेंचाइजियों ने तैयारी शुरू कर दी है। कुछ दिनों पहले बीसीसीआई और सभी फ्रेंचाइजियों की बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद आईपीएल नीलामी में 'अनकैप्ड प्लेयर रुल' की वापसी को लेकर काफी चर्चा हो रही थी। कहा जा रहा था कि इस नियम की वापसी के साथ चेन्नई सुपर किंग्स महेंद्र सिंह धोनी को अपने साथ सस्ते में बनाए रख सकती है। इस नियम के तहत जिन खिलाड़ियों को रिटायर हुए पांच साल हो गए हैं वह आईपीएल में बतौर अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेल सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चेन्नई ने इस नियम को वापस लाने की मांग की है ताकि वह धोनी को ज्यादा पैसा खर्च न करते हुए अपने साथ बनाए रखे। ये नियम आईपीएल की शुरुआत में था लेकिन 2021 में इसे हटा दिया गया था। इस मामले पर अब चेन्नई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथन ने स्थिति साफ की है। उन्होंने साफ मना कर दिया है कि फ्रेंचाइजी की तरफ से बोर्ड के सामने ये मांग नहीं रखी गई। एक इंटरव्यू में विश्वनाथ ने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। हमने इसे लेकर कोई मांग नहीं की। बीसीसीआई ने खुद हमसे कहा था कि हम अनकैप्ड प्लेयर नियम को बनाए रख सकते हैं, बस यही। उन्होंने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है। आईपीएल में पहले जो रिटेंशन नियम था उसके मुताबिक अनकैप्ड प्लेयर के लिए फ्रेंचाइजी 4 करोड़ की कीमत देती थी। लेकिन 2022 निलामी से पहले इस नियम को हटा दिया गया था क्योंकि उस साल दो नई टीमें आईपीएल में जुड़ी थीं। उस साल चेन्नई ने धोनी को 12 करोड़ में रिटेन किया था। अगर अनकैप्ड प्लेयर का पुराना नियम लागू होता है तो चेन्नई करोड़ों रुपये बचा सकती है।

'कुछ चीजें कंट्रोल से बाहर'

हार्दिक पांड्या से 'बदतमीजी' पर खुलकर बोले जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को आईपीएल 2024 के दौरान जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। उन्हें फैंस ने ना सिर्फ ऑनलाइन बल्कि मैदान पर भी निशाना बनाया। दरअसल, फैंस रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को मुंबई इंडियंस (एमआई) का कप्तान बनाए जाने से बेहद नाराज थे। हार्दिक गुजरात टाइटंस (जीटी) के दो सीजन कप्तान रहे लेकिन एमआई में घर वापसी के बाद उन्हें इतनी ज्यादा नाराजगी का अंदाजा नहीं था। उन्होंने 2015 में एमआई की ओर से ही आईपीएल डेब्यू किया था। हार्दिक संग हुई 'बदतमीजी' पर एमआई के धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी बेबाक राय रखी है। बुमराह ने कहा कि टीम मुश्किल समय में हार्दिक के साथ खड़ी थी। बुमराह ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, "आपको इसका डटकर मुकाबला करना होगा। यहीं पर इनर सर्कल की भूमिका होती है। हम एक टीम के रूप में इस तरह की हरकत को प्रोत्साहित नहीं करते हैं और ना ही बढ़ावा देते हैं।

हार्दिक ने ऐसे जीता दिल

गौरतलब है कि हार्दिक ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में आखिरी ओवर में 16 रन डिफेंड करने का कारनामा अंजाम दिया। हार्दिक ने तीन ओवर में महज 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। जीत के बाद उपकप्तान हार्दिक फूट-फूटकर रो रहे थे। रोहित ने हार्दिक को गले लगा लिया था। इस पल का वीडियो खूब वायरल हुआ। भारत के चैंपियन बनने के बाद हार्दिक को लेकर फैंस का नजरिया पूरी तरह बदल गया। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 150 से अधिक की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए और 11 शिकार किए।

सलमान बट ने पाकिस्तान के नेशनल कोचिंग स्टाफ पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज सलमान बट ने खिलाड़ियों की खराब फिटनेस के लिए नेशनल टीम के कोचिंग स्टाफ पर सवाल उठाए हैं। अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान की फील्डिंग काफी खराब रही और टूर्नामेंट के दौरान काफी आलोचना भी हुई थी। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम ने अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में आसान रन दिए और शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। टी20 विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ मुकाबला गंवाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ भी जीता हुआ मैच गंवाया था। 120 रनों के लक्ष्य को पाकिस्तान की टीम हासिल नहीं कर सकी थी। पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज में अपने बाकी दो मैच जीते और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पाकिस्तान ने आयरलैंड और कनाडा को हराया था। टीम की खराब फील्डिंग पर बात करते हुए बट ने कहा कि टी20 विश्व कप में मिली हार के बाद ध्यान जूनियर स्तर के क्रिकेटरों पर चला गया, जिन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए कहा गया, लेकिन कोचिंग स्टाफ अब भी वहीं है। सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, "पूरा पाकिस्तान टीम की फिटनेस के बारे में बात कर रहा है और इसने पाकिस्तान में तूफान ला दिया है, जूनियर स्तर पर खेल रहे खिलाड़ियों को दौड़ने के लिए कहा गया। यह तब हुआ जब लोगों ने कहा कि खिलाड़ी टी20 विश्व कप 2024 में फिट नहीं हैं। किसी ने फिजियो या ट्रेनर पर सवाल नहीं उठाया, बल्कि इसके बजाय, उन्होंने जिला स्तर पर खिलाड़ियों को फिटनेस के लिए कड़ी मेहनत करवाना शुरू कर दिया। जिन लोगों ने गलतियां कीं, वे अभी भी वहीं हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श के फोर चोरी हो गए हैं। उनका शनिवार को सोशल मीडिया पर दर्द छलका है। वह एक हफ्ते से बेहद परेशान हैं क्योंकि लोग संपर्क नहीं कर पा रहे। 61 वर्षीय वॉल्श ने अपने करीबियों को एक पोस्ट के जरिए बताया कि जमैका और एंटीगुआ के नंबर फिलहाल बंद हैं। बता दें कि पूर्व कप्तान वॉल्श 15 साल से अधिक समय तक इंटरनेशनल क्रिकेट में एक्टिव रहे। उन्होंने नवंबर 1984 में डेब्यू किया और जनवरी 2000 में आखिरी मैच खेला। वॉल्श ने 17 अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफर्म 'एक्स' पर लिखा, "पिछले शनिवार को मेरे फोन चोरी हो गए और आज तक कोई जानकारी नहीं मिली। ऐसे में जो कोई भी मेरे जेए नंबर या एंटीगुआ नंबर पर संपर्क करने की कोशिश कर रहा है, फिलहाल संपर्क नहीं कर पाएगा।" वॉल्श की पोस्ट पर एक यूजर ने दिलचस्प कमेंट किया। यूजर ने कहा, " सुनकर दुख हुआ। अगर चोर मिल जाए तो यह उचित है कि आप उसे गेंदबाजी करें और डराकर पूरी तरह से परेशान कर दें।"

वास्तु शास्त्र में कई पेड़-पौधों को माना गया है बहुत शुभ

हिंदू घरों में तुलसी का पौधा मुख्य रूप से पाया जाता है। इसके साथ ही ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र में कई पेड़-पौधों को बहुत शुभ माना गया है। इन पौधे को घर में रखने से जीवन में ग्रह-नक्षत्रों का शुभ प्रभाव मिलता है। आइए जानते हैं इन पेड़-पौधों का महत्व...

मनी प्लांट

मनी प्लांट घर में होना अच्छा माना जाता है। जैसे कि इसके नाम से पता चलता है कि यह पौधा धन संबंधित समस्याओं को समाप्त करता है। ऐसा माना जाता है कि जैसे-जैसे यह पौधा बढ़ता है, वैसे-वैसे धन भी बढ़ने लगता है। ज्योतिष में इस पौधे का संबंध भौतिक सुख-सुविधाओं के स्वामी शुक्र ग्रह से माना गया है इसलिए मनी प्लांट घर में सौभाग्य को बढ़ाता है और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है।

केले का पेड़

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि गुरुवार के दिन घर में केले का पेड़ लगाया जाए तो, इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। साथ ही गुरुवार के दिन इस पौधे की पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। इसलिए तुलसी के साथ-साथ घर में केले का भी पौधा लगाएं। केले को हमेशा घर के मुख्य द्वार पर दाईं तरफ और तुलसी को हमेशा घर के मुख्य द्वार पर बाएं तरफ लगाना चाहिए।

तुलसी का धार्मिक महत्व

तुलसी की महिमा इतनी है कि इसका एक पत्ता भी श्राद्ध और यज्ञ आदि में बड़ा पुण्य देता है। भगवान विष्णु जी को तुलसी अति प्रिय है। तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना गया है। जिस घर में प्रतिदिन तुलसी की पूजा की जाती है उस घर में हमेशा सुख और समृद्धि बनी रहती है साथ ही आर्थिक परेशानियां और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

शमी का पौधा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में तुलसी के साथ शमी का पौधा लगाना शुभ माना गया है। शमी के पौधे का सीधा संबंध शनिदेव से माना जाता है, यही कारण है कि शमी के पौधे की शनिवार के दिन पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शमी के पौधे की पूजा-अर्चना करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसलिए तुलसी के साथ शमी के पौधे को भी घर में लगाना चाहिए।

बालों की मसाज के घरेलू नुस्खे

बारिश का मौसम आ चुका है। इस समय में जरूरी होता है अपने बालों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, क्योंकि बालों कमजोर हो जाते हैं और बहुत ज्यादा टूटते हैं। अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया तो ये समस्या दिन-ब- दिन बढ़ती जाती है और कई सारे लोग तो गंजेपन का शिकार हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी झड़ रहे हों और आप किसी घरेलू नुस्खे की तलाश कर रहे हैं तो ये नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। इससे कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा और बालों के झड़ने की समस्या में भी राहत मिलेगी। जानें ये घरेलू उपाय क्या है और किस तरह से इन्हें इस्तेमाल करें....

आंवला भी असरदार

सेहत के अलावा बालों के झड़ने की समस्या को रोकने के लिए आंवला काफी असरदार है। ये ना केवल बालों की ग्रोथ करता है बल्कि बालों को मजबूती भी देता है। इसके लिए बस आर आंवले के पाउडर में शिकाकई और रीठा डालकर उसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर लगाएं और सूखने तक रहने दें। इसके बाद बालों को पानी से धो लें।

मेथी असरदार

मेथी भी हेयर फॉलो को कंट्रोल करने में बहुत असरदार है। मेथी में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं जो कि बालों के विकास को बढ़ाने में मददगार हैं। इसके लिए आप मेथी के दानों को पानी में भिगो दें। अगले दिन मेथी के दानों को ग्राइंड कर लें। इसमें एक चम्मच नींबू का रस और नारियल तेल मिलाएं। इस पेस्ट को बालों की जड़ों पर लगाएं। इसे सूखने तक बालों पर लगाएं रहें। इसके बाद पानी से धो लें।

प्याज का रस

प्याज का रस भी हेयर फॉल कंट्रोल करने में कारगर है। इसके लिए बस प्याज को पीस कर उसका रस निकाल लें। इसे बालों की जड़ों में लगाकर मसाज करें। करीब आधे घंटे बाद पानी से धो लें। ऐसा करने से आपको आराम मिलेगा।

उम्र के मुताबिक छोटी है बच्चे की हाइट तो उसे रोजाना कराएं एक्सरसाइज

बच्चों की हाइट ना बढ़ना पेरेंट्स के लिए चिंता का विषय है। लंबाई का बढ़ना काफी हद तक जींस पर निर्भर करता है। अगर पेरेंट्स लंबे हैं तो बच्चों की लंबाई भी अच्छी होती है। हालांकि, आजकल बच्चे शारीरिक रूप से कम एक्टिव हो गए हैं, वहीं हेल्दी खाने-पीने से दूर भागते हैं और अनहेल्दी फूड्स को बड़े चाव से खाते। जिसकी वजह से कहीं ना कहीं शारीरिक ग्रोथ पर असर हो रहा है। अगर उम्र के मुताबिक बच्चों की हाइट नहीं बढ़ रही है तो आप उनके रूटीन में इन 5 एक्सराइज को शामिल करें। नियमित तौर पर इन एक्सरसाइज को करने से बच्चे की लंबाई 1 से 2 इंच बढ़ सकती है।

❒ **रस्सी कूदना-** हाई बढ़ाने के लिए रस्सी कूदना एक अच्छी एक्सरसाइज है। जब कोई व्यक्ति स्किपिंग करता है तो शरीर पूरी तरह से खिंचता है, इसलिए यह बच्चे में हाइट को बढ़ावा देता है। यह एक अद्भुत कार्डियो वर्कआउट भी है, ये बच्चे को फिट और एक्टिव रखेगा।

❒ **स्विमिंग-** स्विमिंग एक और हेल्दी एक्सरसाइज है, जो आपके बच्चे को एक्टिव रहने में मदद करती है। स्विमिंग एक फुल बॉडी एक्सरसाइज है जो शरीर की सभी मांसपेशियों पर बहुत प्रभाव डालता है। लंबे समय तक तैरने से आपके बच्चे को एक्सट्रा फैट कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे बच्चे को हेल्दी रहने में भी मदद मिलेगी। आप चाहें तो डेली अपने बच्चों को स्विमिंग करने की आदत डालें। इससे ना सिर्फ मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, बल्कि पोस्चर में सुधार होता है।

❒ **जॉगिंग-** ये भी एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो बच्चों-बड़ों सभी के लिए भी फायदेमंद है। जॉगिंग से पैर की हड्डियां मजबूत होती हैं और ग्रोथ हार्मोन बढ़ती है, जो शरीर में किसी भी विकास के लिए जरूरी होती है। बच्चों के लिए इस इंटरेस्टिंग बनाने के लिए आप उनके साथ ये जॉगिंग करें।

❒ **योग मुद्राएं-** बच्चों के लिए योग करना भी उनके शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेस्ट है। कुछ योग आसन आपके बच्चे को लंबा करने में फायदेमंद होते हैं। बच्चों के साथ आप शुरुआत में ट्री पोज, कोब्रा पोज करना सिखाएं। वहीं सूर्य नमस्कार भी पूरे शरीर को काम करने के लिए प्रेरित करता है।

❒ **लटकना-** लटकने से रीढ़ की हड्डी को लम्बा करने में भी मदद मिलती है। आप अपने बच्चे को नियमित रूप से लटकने के अलावा पुल-अप्स और चिन-अप्स करने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं।

सुबह उठकर पिएं तुलसी की चाय

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है और इसकी पूजा की जाती है। तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें विटामिन ए, सी, कैल्शियम, जिंक, आयरन, फाइबर जैसे तत्व होते हैं, साथ ही इसमें बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण भी मौजूद होते हैं। तुलसी का धार्मिक तरह से तो कई महत्व हैं, लेकिन चाय के रूप में भी ये काफी फायदेमंद होती है। तुलसी की चाय में हीलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं। अगर पर रेगूलर दूध वाली चाय छोड़कर तुलसी की चाय पीते हो तो आपको कई सारी स्वास्थ समस्याओं से राहत मिलेगी। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

सांस लेने में दिक्कत

तुलसी की चाय पीने से सांस से जुड़ी समस्याओं में आराम मिलता है। फिर वो चाहे खांसी, जुकाम हो या फिर अस्थमा। इसके साथ ही तुलसी की चाय इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत करती है। वहीं तुलसी के पत्तों में खास तरह का ऑयल होता है जो जुकाम की वजह से होने वाले जकड़न को भी खत्म करता है।

तनाव को करती है दूर

कई सारी स्टडीज में खुलासा हुआ है कि तुलसी की चाय स्ट्रेस को दूर करने में मदद करती है। तुलसी की चाय कार्टिसोल हार्मोन स्ट्रेस को बढ़ावा देने में मदद करता है, इसलिए इसे स्ट्रेस हार्मोन भी कहते हैं। यहीं नहीं तुलसी की चाय पीने से स्ट्रेस फ्री होने के साथ ही डिप्रेशन और एंजायटी में भी राहत मिलती है।

डायबिटीज

अगर आपके बॉडी में ब्लड शुगर लेवल ऊपर- नीचे होता रहता है तो रोज दूध वाली चाय पीने की बजाय तुलसी की चाय पीना शुरू कर दें। ये शुगर को ब्लड में एनर्जी की तरह इस्तेमाल करने में मदद करती है।

मुंह से बदबू और दांतों की सड़न होने पर

अगर आप बैड breath और मसूड़ों में सूजन, दांतों में कैविटी जैसी समस्या से परेशान हैं तो तुलसी की चाय पिएं। ये मुंह के बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है, जिससे मुंह की बदबू दूर होती है।

थकान मिटाने के साथ याददाश्त भी बढ़ाती है झपकी

अनुसंधान से पता चलता है कि झपकी के कई फायदे हैं। छोटी-सी झपकी से मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त के साथ ही मुस्तैदी, ध्यान और प्रतिक्रिया देने के समय में भी सुधार आता है। इसका संबंध उत्पादकता और रचनात्मकता से भी है। चूंकि झपकी से रचनात्मक सोच में सुधार आता दिखायी देता है इसलिए कुछ कंपनियों ने अपने कार्य स्थल पर झपकी लेने के लिए कमरे बनाकर इसका फायदा उठाने का प्रयास किया है। ऐसा कहा जाता है कि मस्तिष्क झपकी के वक्त का इस्तेमाल दिनभर में एकत्रित सूचना को संसाधित करने के लिए करता है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि समस्याओं को हल करने की क्षमता बढ़ती है। एक छोटे-से अध्ययन से यह पता चलता है कि जो लोग झपकी लेते हैं वे कम चिड़चिड़े होते हैं तथा उन्हें कम गुस्सा आता है जिससे काम करते वक्त बेहतर फोकस बनता है और दक्षता बढ़ती है। हृदय गति सामान्य होती है। कुछ लोगों को झपकी से इस प्रक्रिया में मदद मिलती है।

दोपहर में झपकी लेना दुनियाभर में सदियों से चला आ रहा एक रिवाज है। कुछ लोग इसे विलासिता भोग के रूप में देखते हैं जबकि अन्य इसे मुस्तैद तथा तंदरुस्त बने रहने के तरीके के रूप में देखते हैं, लेकिन झपकी के फायदे के साथ-साथ नुकसान भी हो सकते हैं। हाल ही में किए गए प्रशिक्षण में नींद के सभी पहलू शामिल थे, खासतौर से सोते वक्त सांस लेने में दिक्कत और नींद से जुड़े गतिशीलता संबंधी विकार। हालांकि दोपहर के वक्त 20 से 30 मिनट की झपकी असंख्य तरीकों से भी फायदेमंद हो सकती है।

झपकी से तनाव भी कम हो सकता है

एक अध्ययन से पता चलता है कि करीब 20 मिनट की झपकी से इसमें भाग लेने वाले लोगों के मूड में सुधार आया। छोटी-सी झपकी से हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा भी जुड़ा है। अगर हम जरूरत से अधिक जागते हैं तो हमारे शरीर में ''फाइट या फ्लाइट'' रसायनों का संचय हो जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि उचित नींद से इन रसायनों को कम करने में मदद मिलती है जिससे रक्त चाप और

झपकी के नुकसान भी हो सकते हैं

तीस मिनट से अधिक की झपकी नींद की जड़ता (स्लीप इनर्शिया) भी हो सकती है जिसमें नींद से जागने के बाद भी मनोदशा ठीक नहीं रहती है। आमतौर पर जितनी लंबी झपकी होगी, उतना ही नींद की जड़ता पर काबू पाना मुश्किल होगा। इससे आधे घंटे तक संज्ञानात्मक हानि हो सकती है। कई मामलों में नींद के तुरंत बाद कैफीन का सेवन कर इस असर को कम किया जा सकता है।

बुखार को कम करने के करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

बुखार का आना काफी कॉमन होता है, ये अक्सर सर्दी या फ्लू जैसे वायरस के कारण होता है। जो लोग फ्लू की चपेट में आ जाते हैं उन लोगों में फीवर का आना काफी कॉमन होता है। बरसात के मौसम में ये दिक्कत बढ़ जाती है। दरअसल, इस मौसम में संक्रमण तेजी से फैलता है। जिसकी वजह से बुखार आ सकता है। अगर आपको भी सर्दी-फ्लू से बुखार आ गया है तो इससे निपटने के लिए आप कुछ तरीकों को अपना सकते हैं। यहां कुछ आसान तरीके हैं जो सर्दी-फ्लू से आए बुखार को कम करने में आपकी मदद करेंगे। सर्दी या फ्लू से होने वाले बुखार को कैसे कम करें...

1) स्पंजिंग- बुखार को कम करने के लिए अपने माथे और अपनी गर्दन के पीछे एक ठंडा, गीला वॉशक्लॉथ रखें। इससे आपके बुखार के लक्षणों को कम करने में मदद मिलेगी। आप शरीर के तेज गर्म हिस्सों पर ठंडे पानी से स्पंज करें। इसे लगभग 5 मिनट तक किया जाता है।

2) ठंडे तापमान में रहें- कमरे के तापमान को ठंडा रखना और केवल चादर या हल्के कंबल के साथ सोना आपको ठंडा रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, बच्चों के साथ ऐसा करने से बचें।

3) हलके कपड़े पहनें- बुखार से राहत पाने के लिए हल्के कपड़े पहनना भी एक अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि हल्के कपड़ों का ठंडा असर हो सकता है। बहुत गर्म कपड़े शरीर के तापमान को बढ़ा सकता है।

4) हाइड्रेटेड रहें- बुखार होने से फ्लूयड की हानि और डिहाइड्रेशन हो सकता है। ऐसे में बुखार होने पर बहुत पानी पीने की सलाह दी जाती है।

5) खूब आराम करें- बुखार कम करने के लिए आपको आराम करना चाहिए। पर्याप्त नींद लेने से आपकी इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद मिल सकती है। ऐसा होने पर शरीर को सर्दी या फ्लू वायरस से लड़ने में मदद मिलती है।

वेज स्प्रिंग रोल

बारिश का हसीन मौसम चल रहा है। ऐसे मौसम में कचौड़ी, पकौड़ी और पराठे जैसे कई चटपटे डिशेज बनाते हैं, पर अगर आप कुछ अलग बनना चाहती हैं वेज स्प्रिंग रोल ट्राई कर सकते हैं। वेज स्प्रिंग रोल हर किसी को पसंद आते है। पर बारिश का मौसम में बाहर से खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। ज्यादा अच्छा होगा की घर पर ही स्प्रिंग रोल बनाएं। ये बनाने में बेहद आसान है। आइए आपको बताते हैं आपको इसकी रेसिपी...

आवश्यक सामग्री : कॉर्नफ्लावर/कॉर्नस्टार्च- 1 कप, प्याज- आधा कप, पत्ता गोभी- 1 कप, शिमला मिर्च- आधा कप, गाजर कद्दूकस- 1 कप, नूडल्स उबले- आधा कप, सोया सॉस - 2 टी स्पून, तेल- 1 टेबलस्पून, पेपर पाउडर, नमक- स्वाद के अनुसार

बनाने की विधि : स्टफिंग बनाने के लिये एक नॉन-स्टिक बर्तन में थोड़ा सा तेल गरम करें, उसमें डालें प्याज़, हरे प्याज़, गाजर, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और नमक और टॉस करें। पेपर पाउडर और सोया सॉस डालकर मिला लें। बीन स्प्राउट्स और हरे प्याज़ के पत्ते डालकर मिला लें। तबतक पकाएं जबतक सब्जियां पक जाएं। अब इसे ठंडा होने के लिए रख दें। कढ़ाई में तेल गरम करने रखें। कॉर्नफ्लावर को 2 बडे.चम्मच पानी में मिलाकर एक पेस्ट बना ले। स्प्रिंग रोल रेपर को फैला कर रखें। स्टफिंग के मिश्रण के 10 भाग बना लें, हर भाग को हर रेपर पर एक ओर रखें, बगलों को बीच में लाकर कसकर रोल कर लें। कॉर्नफ्लावर के पेस्ट लगाकर सील कर लें। रोल्स को भीगे कपडे.से ढक कर रखें। रोल्स को गरम तेल में डालकर सुनहरा और करारे होने तक तल लें। तेल से निकालकर अब्ज़ौरबेन्ट पेपर पर रखें। हर रोल को काटकर गरमागरम परोसें।

किंग खान का डेली रूटीन सुन हैरान हुए फैंस

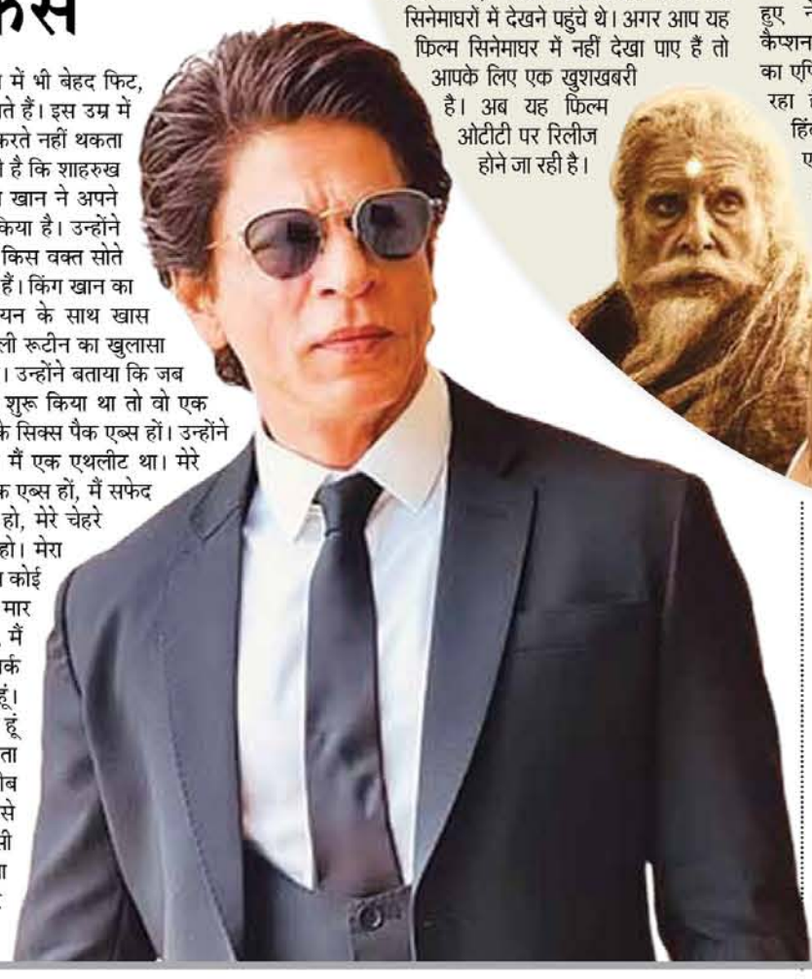

शाहरुख खान 58 साल की उम्र में भी बेहद फिट, चार्मिंग और शानदार नजर आते हैं। इस उम्र में भी हर कोई उनकी एनर्जी की तारीफ करते नहीं थकता है। ये बात तो कई बार सामने आ चुकी है कि शाहरुख खान सुबह सोते हैं, लेकिन अब किंग खान ने अपने डेली रूटीन का विस्तार में खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि वो किस वक्त उठते हैं, किस वक्त सोते हैं और कब खाते या वर्क आउट करते हैं। किंग खान का रूटीन सुनकर फैंस हैरान हैं। गार्जियन के साथ खास बातचीत में शाहरुख खान ने अपने डेली रूटीन का खुलासा करके हर किसी को हैरान कर दिया है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया था तो वो एक एथलीट थे, और वो चाहते थे कि उनके सिक्स पैक एब्स हों। उन्होंने कहा, ₹जब मैं इंडस्ट्री में आया, तब मैं एक एथलीट था। मेरे जीवन का सपना था कि मेरे सिक्स पैक एब्स हों, मैं सफेद वेस्ट पहनूं, मेरी बाहों में एक महिला हो, मेरे चेहरे पर खून हो और मेरे हाथ में बंदूक हो। मेरा सपना था कमरे में अंदर आना और जब कोई कहे कि मैं कौन हूं तो मैं सबको गोली मार दूं। इस दौरान शाहरुख खान ने बताया, मैं सुबह पांच बजे सोने जाता हूं। जब मार्क वाह्लबर्ग सोकर उठते हैं, मैं सोने जाता हूं। और फिर अगर मैं शूटिंग कर रहा होता हूं तो मैं नौ और दस बजे के करीब उठता हूं। इसके बाद मैं रात के दो बजे के करीब घर आता हूं, नहाता हूं, फिर सोने से पहले वर्क आउट करता हूं।₹ इसी इंटरव्यू में शाहरुख खान ने खुलासा किया कि वो दिन में बस एक बार खाना (मील) खाते हैं।

22 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर कल्कि

नाग अश्विन के निर्देशन में बनीं फिल्म कल्कि 2898 एडी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। लोगों को प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण की ये फिल्म बेहद पसंद आई है। बड़ी संख्या में लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने पहुंचे थे। अगर आप यह फिल्म सिनेमाघर में नहीं देखा पाए हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है। अब यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। अमिताभ बच्चन और प्रभास की यह फिल्म हिंदी में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने एक्स हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है। कल्कि 2898 एडी की क्लिप पोस्ट करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया ने कैप्शन में लिखा- इस युग का एपिक ब्लॉकबस्टर आ रहा है नेटफ्लिक्स पर, हिंदी में। कल्कि 2898 एडी हिंदी में आ रही है 22 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर। कल्कि 2898 एडी की कहानी भविष्य में कई सौ सालों आगे लिखी गई है। यह फिल्म एक माइथोलॉजिक्ल साइंस फिक्शन फिल्म है। यह कहानी महाभारत काल को वर्तमान और भविष्य से जोड़ती है। फिल्म की कहानी शुरू होती है दुनिया के सबसे पुराने शहर काशी से, जो अब दुनिया का आखिरी शहर बचा है। इस शहर में भी बहुत सी समस्याएं हैं। प्रभास और अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण की यह फिल्म 600 करोड़ के बजट से बनाया गया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा की भूमिका निभाई है। वहीं, प्रभास भैरव के किरदार में नजर आए हैं। दीपिका पादुकोण फिल्म में सुमति का किरदार निभा रही हैं।

फिल्म गुलमोहर को श्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार

स्टार स्टूडियोज़ की कई पुरस्कार जीतने वाली और दिल को छूने वाली पारिवारिक फिल्म ₹गुलमोहर₹ का पुरस्कार जीतने का सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में हुए 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में इस फिल्म ने हिंदी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं इसे सर्वश्रेष्ठ संवाद लेखन और मनोज बाजपेई को विशेष उल्लेख (स्पेशल मेंशन) श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। गुलमोहर में थिएटर और सिनेमा की ख्यात अभिनेत्री, पद्म भूषण और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शर्मिला टैगोर अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने एक दशक बाद बड़े परदे पर वापसी की है। उनके अलावा इस फिल्म में मनोज बाजपेई, सिमरन, सूरज शर्मा और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता अमोल पालेकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। राहुल वी. चितेला द्वारा निर्देशित इस फिल्म को अपनी रिलीज के बाद से ही दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया

इस पर कुछ इस तरह की प्रतिक्रिया मिलीं: आपका मूड अच्छा करने वाली फिल्म है जिसे देखकर आप भीतर से अच्छा महसूस करते हैं, यह फिल्म आपके दिल के दरवाजे पर दस्तक देती है, यह सिनेमाई भाषा में कविता है, भावनात्मक रूप से आपके दिल को छूने वाली फिल्म और अद्भुत फिल्म! डिज्नी स्टार के हेड ऑफ स्टूडियोज बिक्रम दुग्गल ने इस फिल्म के लगातार पुरस्कार जीतने पर कहा, हम रोमांचित हैं कि गुलमोहर को श्रेष्ठ फिल्म, संवाद लेखन, और मनोज बाजपेई को विशेष उल्लेख श्रेणी में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। आज के डिजिटल समय में इस तरह की कहानियों पर फिल्म बनाना बहुत जरूरी है जो दर्शकों के दिलों को छुए और परिवारों को करीब लाए। गुलमोहर ने बिल्कुल यही काम किया है कि उसने अपने दिल छूने वाली कहानी के जरिए सभी सीमाओं के परे जाकर दिलों पर असर छोड़ा है।

AR रहमान के साथ काम नहीं करना चाहती थीं अलका याग्निक

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बेहतरीन संगीतकार एआर रहमान को 16 अगस्त को 7वें नेशनल अवार्ड से नवाजा गया। एआर रहमान के गाने हर किसी की जुबान पर रहते हैं। शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने एआर रहमान के गाने ना सुने हों। आज एआर रहमान इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम हैं, लेकिन एआर रहमान की लाइफ में एक ऐसा भी वक्त था जब बॉलीवुड की मशहूर सिंगर अलका याग्निक और कुमार सानू ने एआर रहमान के साथ काम करने को मना कर दिया था। सिंगर अलका याग्निक ने खुद इस बात का खुलासा किया है।

रेडियो नशा से खास बातचीत में अलका याग्निक ने उस वक्त को याद किया जब एआर रहमान ने उन्हें पहली बार काम के लिए अप्रोच किया था। उन्होंने कहा, "एआर रहमान उस वक्त नया नाम थे। उन्हें कोई नहीं जानता था, खासकर मुंबई में। साउथ में एआर रहमान को सब जानते थे। वो तब एक युवा थे। मुझे चेन्नई से कॉल आया कि एक नए म्यूजिक कंपोजर हैं एआर रहमान। वो आपके बड़े फैन हैं। वो एक फिल्म के लिए गाने बना रहे हैं और चाहते हैं कि आप और कुमार सानू फिल्म के लिए गाने गाएं। लेकिन समस्या ये थी कि वो मुझे तुरंत बुला रहे थे। लेकिन, मेरी डेट्स लंबे वक्त तक तय थीं। साथ ही, मुंबई में मैनें इतने कंपोजर्स के साथ काम किया और अपनी रेपो बना ली थी कि मैं उन्हें छोड़ना नहीं चाहती थी। और साथ ही उस वक्त मैं नहीं जानती थी कि एआर रहमान कौन हैं। मुझे उनकी क्षमता नहीं पता थी।₹ अलका याग्निक ने बताया कि उसके बाद उन्होंने कुमार सानू को कॉल किया। उनसे बात करने पर पता चला कि उन्हें भी चेन्नई से कॉल आया था। कुमार सानू ने अलका याग्निक से कहा कि उन्होंने चेन्नई जाने से मना कर दिया है। उन्होंने कह दिया कि उनकी डेट्स बुक है। इसके बाद, अलका याग्निक ने भी चेन्नई जाने से मना कर दिया है।

स्त्री-2 ने बॉक्स ऑफिस मचाया पर मचाया विध्वंस

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री-2 बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। रिलीज के बाद सिर्फ 2 दिनों के अंदर कमाई का ग्राफ 100 करोड़ का आंकड़ा छू चुका है। दिनेश विजान प्रोडक्शन की इस मोस्ट अवेटेड मूवी का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन का कलेक्शन 51 करोड़ 80 लाख रुपये रहा था और शुक्रवार को इसने तकरीबन 30 करोड़ रुपये की अनुमानित कमाई की। क्योंकि पेड प्रीव्यू शोज के जरिए भी फिल्म 8.5 करोड़ कमा चुकी थी, इस तरह विदेशी बॉक्स ऑफिस पर कमाई का गणित जोड़कर फिल्म का कुल कलेक्शन रिकॉर्ड ब्रेकिंग हो चुका है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म ने यह करिश्मा तब किया है जब बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' और जॉन अब्राहम की 'वेदा' भी डटी हुई हैं। फिल्म का पहला पार्ट जहां 20 से 25 करोड़ रुपये की लागत में बन गया था। वहीं दूसरे पार्ट को बनाने में 30 से 40 करोड़ के करीब लागत आई है। कमाई की बात करें तो पहली फिल्म से मेकर्स ने 180 करोड़ रुपये छापे, अब देखना यह होगा कि स्त्री-2 का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन कितना रहता है। फिलहाल आगाज तो दमदार रहा है यह साफ है। फिल्म के वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो पहले ही दिन इसने 80 करोड़ रुपये की कमाई करके साफ कर दिया था कि श्रद्धा-राजकुमार की फिल्म इतिहास रचने वाली है। दूसरे दिन का फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 100 करोड़ रुपये से भी ऊपर निकल गया। सिर्फ 2 दिनों में 100 करोड़ की कमाई बॉलीवुड की ज्यादातर फिल्में बस इमैजिन ही कर पाती हैं। विशेषज्ञों की मानें तो अमर कौशिक के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहला वीकेंड खत्म होने तक बहुत आराम से 200 करोड़ से ऊपर निकल जाएगी।

पायल मलिक ने अपने हाथ से मिटाया सौतन के नाम का टैटू!

बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आ चुकी मलिक फैमिली शो के बाद भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। अरमान मलिक से लेकर उनकी दोनों पत्नियां पायल मलिक और कृतिका मलिक लगातार ब्लॉगिंग करती नजर आ रही हैं। दोनों को कभी एक-दूसरे पर प्यार बरसाते तो लड़ते देखा जा रहा है। ऐसे में अब पायल ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसे देखकर सभी लोग हैरान हो गए हैं। बिग बॉस के घर में कृतिका को लेकर विशाल से पंगा लेने वाली पायल ने अब अपनी ही सौतन के नाम का टैटू अपने हाथ से मिटा दिया। पायल का वीडियो देख सोशल मीडिया पर यूजर्स हैरान है।

पायल मलिक का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पायल एक टैटू शॉप में नजर आ रही हैं। पायल टैटू आर्टिस्ट से कहती हैं, 'हटवा रही हूं इसे अच्छा नहीं लग रहा है। मेरा हाथ खराब कर रहा है ये नाम। कृतिका के नाम का टैटू हटवा रही हूं। एक ही नाम अच्छा लगता है बस मेरे हाथ पर अरमान जी का।' इस पर टैटू आर्टिस्ट कहता है कि आज ये वाला हटवा रही हैं फिर कल वो वाला हटवाओगी। इस पर पायल कहती हैं, 'ये तो अभी बनवाया है एक साल पहले अरमान जी के नाम टैटू। कृतिका का मैंने छह महीने पहले बनाया है पर ये अच्छा नहीं बना है। इसके नाम का स्पेलिंग अच्छी नहीं लग रही है। ये हटवा रही हूं पूरा हाथ साफ करा रही हूं। इससे मेरा हाथ पूरा खराब लग रहा है।' फिलहाल ये कहा नहीं जा सकता है कि पायल ने वाकई में कृतिका के नाम का टैटू अपने हाथ से हटवाया है या फिर से ये कोई मजाक है।

अनुपमा लेगी इंदिरा बेन का बदला

टीवी सीरियल अनुपमा के 17 अगस्त 2024 के एपिसोड की शुरुआत होगी एक दिल दुखा देने वाले सीन के साथ। अनुपमा ठेले पर डालकर इंदिरा बेन को आश्रम तक लाएगी। बाला काका और आश्रम के बाकी सभी लोग इंदिरा बेन की यह हालत देखकर दंग रह जाएंगे। अनुपमा बताएगी कि इंदिरा बेन उसे कूड़े के ढेर पर पड़ी मिलीं। जब इंदिरा बेन की हालत थोड़ी ठीक होगी तब अनुपमा उनसे पूछेगी कि क्या हुआ था?

वह पूछेगी कि आप तो खुशी-खुशी बेटे के पास गई थीं, फिर आपके साथ क्या हुआ कि आपकी यह हालत हो गई। इंदिरा बेन तब अपनी दिल दहला देने वाली कहानी सुनाएंगी। वह बताएंगी कि बेटा उसे यहां से ले तो गया और फिर शुरू के दो दिन बहुत अच्छे से रखा, लेकिन तीसरे ही दिन वो बीमा के वो कागज ले आया जिनकी रकम इंदिरा बेन को मिलनी थी। इंदिरा बेन बताएंगी कि बेटा जिद करने लगा कि वो अपना नाम हटाकर उसे नॉमिनी बना दें। मना करने पर उसका अंगूठा लेने की कोशिश की गई और जब इसमें भी उनका बेटा कामयाब नहीं हुआ तो इंदिरा को एक कमरे में बंद कर दिया।

इंदिरा बेन ने बताया कि उन्हें कई दिनों तक भूखा प्यासा रखा गया और कहा गया कि जब तक साइन नहीं करेंगी तब तक पानी की एक बूंद भी नहीं मिलेगी। जब उनकी तबीयत बिगड़ने लगी तो वो मर ना जाएं इस डर से उन्हें कूड़े के ढेर पर फेंक गए। इंदिरा बेन बताएंगी कि उनकी बहू ने उन्हें सैंडलों से मारा और गंदी गालियां दीं। अनुपमा और सभी लोगों का खून खौल उठेगा और वो इंदिरा बेन के बेटे बहू को सजा दिलवाने की फैसला करेंगे। अनुपमा जाकर इंदिरा बेन के बेटे और बहू को जमकर लताड़ेगी।

श्रद्धा कपूर की फेवरेट हॉरर फिल्म हेरेडिटरी

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी फेवरेट हॉरर फिल्म का नाम बताया है। इस फिल्म को सबसे डरावनी फिल्मों में से एक कहा जाता है। श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। श्रद्धा कपूर की फिल्म एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए दिए एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने अपनी फेवरेट हॉरर फिल्म का नाम बताया। द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर ने बताया कि उनकी फेवरेट हॉरर फिल्म हेरेडिटरी है। अगर आपने ये फिल्म अभी तक नहीं देखी है तो इस वीकेंड फिल्म को जरूर देखें।हेरेडिटरी फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक अमेरिकन हॉरर फिल्म है। इसे अरी एस्टर ने डायरेक्ट किया है।इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। आईएमडीबी पर इस फिल्म की रेटिंग 7.3 है। वहीं, आईएमडीबी के यूजर्स ने भी इस फिल्म को सबसे डरावनी फिल्म बताया है।फिल्म की कहानी एक शोकग्रस्त परिवार की कहानी है। ऐनी (फिल्म का किरदार) की मां गुजर जाती है। इसके बाद शुरू होता है डर का खेल। ऐनी की मां के गुजरने के बाद उनके कई ऐसे राज सामने आने लगते हैं जिसके लिए परिवार तैयार नहीं होता है।

महेश भट्ट की 'हम तुम्हें मरने न देंगे'

भारत के 78 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फ़िल्म निर्माता निर्देशक महेश भट्ट ने एक अनोखे शो की घोषणा की है जिसका नाम है 'हम तुम्हें मरने न देंगे'। महेश भट्ट और ड्रामा टॉकीज प्रस्तुत यह शो भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन की ऐसे पहलुओं और घटनाओ से जोड़ता हैं जिसके बारे अब तक कही लिखा और बताया नहीं गया है। १५ अगस्त के अवसर पर निर्देशक महेश भट्ट ने इस शो की आधिकारिक घोषणा की हैं यह एक अनस्क्रिप्टेड टॉक शो होगा जिसमें महेश भट्ट स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के साथ मुलाकात करेंगे और बातचीत करेंगे ताकि इतिहास के पन्नों से छिपी यादों और अनकही कहानियों को उजागर किया जा सके। भगत सिंह, मंगल पांडेय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब अंबेडकर कई और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के जीवन से जुड़ी अनकही कहानियां, उनके व्यक्तित्व के अनछुए पहलू को पहली बार हम तुम्हें मरने नहीं देंगे के माध्यम से दर्शकों तक पहुँचाया जायेगा । मंगल पांडेय का व्यक्तित्व कैसा था बाल गंगाधर तिलक के देश प्रेम के विचार क्या था । महात्मा गांधी भारत की कैसी तस्वीर देखते थे और भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों के पीछे उनका एक अलग ही कोमल व्यक्ति था यह सब दर्शक एक बहुत ही दिलचस्प टॉक शो के ज़रिए जान पायेंगे ।इस शो की मेजबानी दिग्गज फिल्म निर्देशक महेश भट्ट करेंगे, जबकि इसका निर्देशन सुरिता दास करेंगी। महेश भट्ट का कहना है कि ₹हम तुम्हे मरने न देंगे₹ एक ऐसा शो है जिसे देखकर आप को अंदाजा होगा कि हम जिन कुओं से पानी पी रहे हैं, वह हमारे पुरखों ने, हमारे शहीदों ने खोदे थे। देश जो अपने अतीत से कट जाता है दिशाहीन हो जाता है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 189 शिकायतें हुई दर्ज, 09 का निराकरण

जिलाधिकारी ने लेखपाल को गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर किया निलंबित

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 189 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 09 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

दादरी तहसील में आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 138 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 07 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके।

जिलाधिकारी ने दादरी में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान एक लेखपाल को तथ्य छिपाकर गलत रिपोर्ट प्रेषित करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया एवं संबंधित लेखपाल के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए। उन्होंने इस दौरान राजस्व विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों एवं लेखपालों से कहा कि किसी की भी संलिप्तता भूमाफियाओं या अन्य गलत काम करने वाले किसी भी व्यक्ति से नहीं होनी चाहिए। अन्यथा संबंधित के विरुद्ध भी इसी प्रकार से कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, एसीपी दादरी अनिल प्रताप सिंह एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी प्रकार सदर तहसील में उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 12 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई। जेवर तहसील में ज्वाइंट डेवलपमेंट कमिश्नर व उप जिलाधिकारी जेवर की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 39 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 2 शिकायतों का निस्तारण अंधिकारियों के माध्यम से मौके पर सुनिश्चित कराया गया।

प्राधिकरण ने चलाया नो थू-थू अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छ नोएडा, स्वस्थ्य नोएडा के नारे को सार्थक करते हुए नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग, एनजीओ की टीम तथा शहर की विभिन्न आरडब्ल्यूए द्वारा सफाईगिरी तथा नो थू-थू कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा सावित्री मार्केट से सेक्टर-27 डी-ब्लॉक मार्किट में नो थू-थू अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत लोगों को स्वच्छता का संदेश देने के साथ ही शहर के सार्वजनिक स्थानों पर गुटखा एवं पान खाकर थूकने से रोका और लोगों से शहर को गंदा न करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना अभियंता गौरव बंसल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि यदि कोई सार्वजनिक स्थानों पर थूकता हुआ पाया जाता है तो प्रथम चरण में 100 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

इस अभियान का उद्देश्य शहर के लोगों में गुटखा एवं पान मसाला थूकने से रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है। पान मसाला गुटखा आदि खाकर लोगों द्वारा इधर-उधर थूकने के परिणामस्वरूप शहर भर में लाल धब्बे बन गए है। इस अभियान के तहत जन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों के व्यवहार को बदलने के लिए कई कदम उठाए है। अभियान के दौरान मार्केट में जगह-जगह पर थूके हुए गुटखे के लाल निशानों का साफ किया गया। नो थू-थू अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति स्वयं जागरूक रहने और लोगों को भी जागरूक करने करने के लिए स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सेक्टर-27 डी-ब्लॉक मार्केट एसोसिएशन एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि मूल चन्द अवाना ने नोएडा प्राधिकरण के अभियान की सराहना की।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने नष्ट की 200 किलो दूषित मिठाई

नोएडा (चेतना मंच)। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा ग्रेटर नोएडा खानपुर स्थित कृष्णा स्वीट से रसगुल्ला और डोडा बर्फी का नमूना संग्रहित करते हुए वास्ते बिक्री भंडारित लगभग 200 किलोग्राम दूषित मिठाई को नष्ट कराया गया। सैयद इबादुल्लाह एवं अमर बहादुर की टीम द्वारा यमुना अथॉरिटी ओमेगा। मार्केट स्थित बीकानेरी स्वीट से पनीर का नमूना लिया गया तथा सेक्टर 38 नोएडा स्थित रिलायंस रिटेल स्टोर से रंगीन साबूदाना पापड़, साबूदाना,पनीर, व दाल के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी से ओ पी सिंह एवं विशाल गुप्ता की टीम द्वारा सूरजपुर स्थित ओम अग्रवाल स्वीट से रसगुल्ला एवं गुलाब जामुन का नमूना लिया किया गया तथा सेक्टर-63 नोएडा स्थित के वी लिवर फूड से बिस्किट एवं नमकीन का नमूना संग्रहित किया गया।

इस्कॉन में 26 को होगा जन्माष्टमी महोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 26 अगस्त को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जा रहा है। इस्कॉन नोएडा इस वर्ष अपने नोएडा स्थित प्रमुख मन्दिर के साथ साथ, सेक्टर 151 एक्सप्रेस वे, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, दादरी और जेवर में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इस उपलक्ष्य में इस्कॉन नोएडा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आज सांय 3.30 बजे से शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभा यात्रा सांय 3ः30 बजे सेक्टर-18 स्थित गुरुद्वारे से प्रारम्भ होगी और अट्टा मार्केट, सब मॉल, डीएम चौक, स्टेडियम, चौड़ा चौक और अडोब चौक होते हुए सांय 6.30 बजे इस्कॉन नोएडा मन्दिर पहुंचेगी। पूरे रास्ते में भक्तों की अलग-अलग समूह हरिनाम संकीर्तन करेंगे।

अजय राय के एक वर्ष होने पर कांग्रेसियों ने मिठाई बांटी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 में प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस शाहबुद्दीन के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को 1 वर्ष के सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर आपस में कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई तथा मिठाई बांटी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मोहम्मद चांद ,परवेज, अनवर, सुमित जाटव, विनोद शाह, प्रेम शाह, प्रवीण यादव, आर एल शर्मा ,नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नीरज अवाना, नोएडा विधानसभा महासचिव राम गुप्ता ,नोएडा महासचिव युवा कांग्रेस राजकुमार मोनू, शेखर अग्रवाल, सलमा रजा, मेहंदी ,अनवर, संजू, सुमित व स्कूली बच्चे बुजुर्ग नौजवान महिलाएं मौजूद रहे।

छात्राओं ने डीएम को वेस्ट प्लास्टिक से बनी बाँधी राखी

नोएडा (चेतना मंच)। चैलेंजर्स ग्रुप की पहल 'प्लास्टिक लाओ शिक्षा पाओ' के तहत, चैलेंजर्स की पाठशाला के छात्रों ने इस रक्षाबंधन पर पर्यावरण संरक्षण और बचाव को बढ़ावा देने के लिए एकल-उपयोग वेस्ट प्लास्टिक से राखियां तैयार की हैं। इस वर्ष ये अनोखी राखियां चाँदनी, राजेश्वरी और तमन्ना ने तिलक लगाकर गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष वर्मा की कलाई पर बाँधी। जिलाधिकारी ने बच्चों की इस अनोखी पहल को बेहद सराहा।

उन्होंने छात्रों के प्रयासों और पहल के पीछे के महत्वपूर्ण संदेश को स्वीकारते हुए अपना आशीर्वाद और प्यार दिया व साथ ही पिछले 7 वर्षों से समाज उत्थान में निरंतर समर्पित चैलेंजर्स ग्रुप टीम की सराहना की और समाजहित कार्य यूँ ही जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। चैलेंजर्स ग्रुप के संस्थापक प्रिंस शर्मा बताते हैं कि इस मुहिम का उद्देश्य एकल-उपयोग वेस्ट प्लास्टिक को सकारात्मक ढंग से प्रयोग में लाकर लोगों तक ये संदेश

पहुँचाना है कि अपने पर्यावरण को विभिन्न तकनीकों से सरंक्षित किया जा सकता है जिसका जीता-जागता एक उदाहरण रचनात्मक रूप से बनी ये सुंदर राखियाँ भी हैं छात्रों ने सिखाया कि कैसे कचरे को मूल्यवान और सार्थक चीज़ों में बदला जा सकता है। इस मौके पर वाईएसएस से सचिन गुप्ता, पंकज, गोपाल, वीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

पार्थिव शिवलिंग पूजा का किया आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार शिव शक्ति मंदिर में सावन माह के

उपलक्ष्य मे पार्थिव शिवलिंग पूजा का आयोजन किया गया। पुजारी घनश्याम चतुर्वेदी ने बताया कि श्रद्धुलुओं द्वारा मिट्टी से 108 शिव लिंग बनाये गये हैं। उसके बाद मिट्टी से बनाए हुए शिवलिंग की मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अभिषेक किया गया।

किसी नदी या पवित्र स्थान की मिट्टी को लेकर उसमें गंगाजल, पंचामृत, गाय का गोबर और भस्म मिलाएं। यदि संभव हो तो गंगा नदी की मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाना चाहिए। इसके बाद शिव मंत्र बोलते हुए उस मिट्टी से शिवलिंग बना लें।

ध्यान रहे पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह रखकर शिवलिंग बनाना चाहिए। पार्थिव शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा भी इन्ही दिशाओं में मुख करके करें। शिवलिंग की ऊँचाई 12 अंगुल से ज़्यादा नहीं होनी चाहिए। फिर, शिवलिंग को गंगा जल या शुद्ध जल से स्नान कराएं।

इसके बाद, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक करें। पूजा के दौरान बेलपत्र, धतूरा और विभिन्न पुष्प अर्पित करें। धूप और दीप जलाकर भगवान शिव की आरती करें और 'नम: शिवाय' मंत्र का जाप करें। पूजा के अंत में शिवलिंग पर चंदन का तिलक लगाएं और नैवेद्य अर्पित करें।

सावन मास में इस पूजा का विशेष महत्व होता है, जिससे भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

सावन में पार्थिव शिवलिंग की पूजा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती है। यह पूजा भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का सरल और प्रभावी माध्यम है। सावन के पवित्र माह में पार्थिव शिवलिंग की पूजा कर भक्त अपने जीवन को सफल, सुखी और समृद्ध बना सकते हैं। मान्यता है कि भगवान श्री राम ने लंका पर कूच करने से पहले भगवान शिव की पार्थिव पूजा की थी।

इस दौरान आयोजक जय राम मिश्रा, प्रीति पांडे मंदिर समिति के अध्यक्ष आरके पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।